संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 293
पृष्ठ 8
मंगलवार
15 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून में इम्यूनिटी मजबूत...

विचार- सुको के सुझाव के साथ पूरे देश...

खेल- वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष...

कोई बच्चा स्कूल से वंचित न रहे : योगी

● मुख्यमंत्री ने की बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में "स्कूल चलो अभियान" को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे। मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री हेतु 1200 रूपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया। यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो। जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता बताई। यह प्रणाली छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों तीनों के हित में है। इससे न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार सुनिश्चित किया जा सकेगा। जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया जिससे प्रशासनिक सुविधा जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके।पेयरिंग व्यवस्था के कारण खाली हुए विद्यालय भवनों को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि वहां बाल वाटिकाएं,प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित की जाएं। इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो और विद्यालय परिसरों का उपयोग बहुउपयोगी रूप से हो सके। यह प्रक्रिया तय समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।बैठक में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिये। उन्होंने निर्देश दिये कि रिक्तियों के सापेक्ष अधियाचन तत्काल भेजा जाए और नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए।

बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया', कुर्सी बचा रहे सीएम

राहुल का नीतीश सरकार पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। वहीं, विपक्ष बिहार में कानून व्यवस्था और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर एनडीए सरकार पर लगातार हमला बोल रहा है। इन सबके बीच कानून व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' – हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोज़गार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज। नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल ने आगे लिखा कि ब्ड कुर्सी बचा रहे हैं, भाजपा मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं – इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर एक के बाद एक अंजाम दी जा रहीं हत्या की घटनाओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस ने इन घटनाओं के लिए अवैध हथियारों और गोला बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहराया है। पिछले 10 दिन में, व्यवसायी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, 60 वर्षीय एक महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई लोगों की हत्याओं ने चुनाव से पहले बिहार को दहला दिया है। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 हत्याओं के साथ 1,376 हत्या के मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 2,786 और 2023 में 2,863 थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध लाइसेंस के खरीदे गए आग्नेयास्त्रों के प्रसार और कारतूसों व गोला-बारूद की अनियंत्रित उपलब्धता ने हाल में हिंसक अपराधों में तेज़ी ला दी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, बिहार लगातार हिंसक अपराधों, जिनमें आग्नेयास्त्रों से जुड़े अपराध भी शामिल हैं, के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य 2017, 2018, 2020 और 2022 में हिंसक अपराध दर में दूसरे स्थान पर रहा है। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा, ज़्यादातर हत्याओं के पीछे जमीन विवाद और संपत्ति के मामले मुख्य कारण हैं।

मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर शोक व्यक्त किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के निधन पर दुख प्रकट करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री बुहारी का रविवार को लंदन के एक अस्पताल में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा," नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के निधन से अत्यंत दुःखी हूँ। मुझे विभिन्न अवसरों पर हुई हमारी मुलाक़ातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अद्वितीय थी। मैं भारत के एक अरब 40 करोड़ लोगों के साथ उनके परिवार, नाइजीरिया की जनता और सरकार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।" श्री बुहारी वर्ष 2015 से 2023 तक नाइजीरिया के राष्ट्रपति रहे थे।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तीन स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने के धमकी मिली, हालांकि पुलिस जाँच में किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। एक पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर-16 स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूलों और चाणक्यपुरी स्थित एक स्कूल से बम की धमकी के बारे में सूचना मिली। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और गहनता से जांच की। उन्होंने कहा कि फ़िलहाल कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस आगे की जांच कर रही है और जिस ईमेल से धमकी मिली है उसके स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

समाज को ऐसे लोगों की जरूरत, जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर करें, नितिन गडकरी का बयान

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो

सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है। गडकरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्कुशल संगठकश के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। देश में सड़क नेटवर्क में क्रांति लाने के लिए जाने जाने वाले भाजपा नेता ने कहा कि कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में षालतष सरकारी फैसलों के खिलाफ कई अदालती मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया। इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है।

गडकरी को होना चाहिए देश का अगला प्रधानमंत्री

मोहन भागवत के बयान के बाद कांग्रेस विधायक की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का योग्य उत्तराधिकारी बताकर राजनीतिक चर्चा छेड़ दी। गोपालकृष्ण की टिप्पणी नागपुर में एक कार्यक्रम में भागवत की टिप्पणी के जवाब में आई है, जहां आरएसएस नेता ने संघ विचारक मोरोपंत पिंगले के 75 वर्ष के बाद सत्ता के पदों से हटने के सिद्धांत का उल्लेख किया था। हालांकि आरएसएस प्रमुख ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान ने भाजपा की आंतरिक उत्तराधिकार योजना पर बहस को फिर से छेड़ दिया है। गोपालकृष्ण ने संवाददाताओं से कहा कि नितिन गडकरी को देश का अगला प्रधानमंत्री होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वे आम आदमी से जुड़े हैं और उन्होंने राष्ट्रीय विकास, खासकर राजमार्ग अवसंरचना के क्षेत्र में, में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस देश के लोग उनकी सेवाओं और उनके मूल्यों को पहचानते हैं। कांग्रेस नेता ने गडकरी के एक हालिया भाषण का भी ज़िक्र किया, जिसमें केंद्रीय मंत्री ने कथित तौर पर देश में बढ़ती आर्थिक खाई पर चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, जबकि गरीब ज़िंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गोपालकृष्ण ने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि गडकरी के पास समावेशी विकास के लिए एक गहरी दृष्टि है। ऐसे लोगों को नेतृत्व का मौका मिलना चाहिए। अगर आरएसएस 75 साल के बाद नेताओं को सेवानिवृत्त करने में विश्वास रखता है, तो बदलाव का समय आ गया है, और गडकरी इस कसौटी पर खरे उतरते हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए, कांग्रेस विधायक ने नेतृत्व में आयु सीमा के मामले में पार्टी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा का उदाहरण दिया, जिन्हें कथित तौर पर 75 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। कई लोगों का मानना था कि यह कदम केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में उठाया गया था।

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुछ दिन पहले शाहदरा में यात्रा मार्ग

पर कांच के टुकड़े बिखरे पाए गए थे। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गुप्ता ने यात्रा में किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगभग 400 मीटर तक कांच के टुकड़े बिखरे हुए पाए गए। किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कांवड़ यात्रा में कोई सुरक्षा बाधा या रुकावट पैदा की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति को सरकार को जवाब देना होगा। एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा कि सरकार शिवभक्तों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करेगी। हम पूरी सुविधाएँ देंगे और कांवड़ियों का स्वागत करेंगे। पुलिस ने रविवार को बताया कि दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ यात्रा मार्ग पर एक ई-रिक्शा चालक को हिरासत में लिया गया, क्योंकि उसके वाहन पर ले जाए जा रहे शीशे टूटकर बिखर गए। उन्होंने बताया कि ई-रिक्शा उत्तर प्रदेश के शालीमार गार्डन से दिल्ली के सीलमपुर जा रहा था।

नेशनल हेराल्ड मामला: ईडी के आरोपपत्र पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दल्ली की एक अदालत ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मामले की सुनवाई 29 जुलाई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी, यंग इंडियन पर नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों के धोखाधड़ीपूर्ण अधिग्रहण से संबंधित साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है। ईडी का आरोप है कि गांधी परिवार के पास यंग इंडियन में 76 प्रतिशत शेयर थे, जिसने 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले एजेएल की संपत्ति को धोखाधड़ी से हड़प लिया। आरोपपत्र में सोनिया गांधी और राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड का नाम शामिल है।

पहलगाम में सुरक्षा चूक हुई, मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं.., एलजी मनोज सिन्हा का बड़ा बयान

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले की पूरी ज़िम्मेदारी ली है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि आतंकवादियों की पहचान हो गई है, लेकिन पुलिस अभी तक उन्हें पकड़ नहीं पाई है। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि वह हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और कहा कि यह वास्तव में सुरक्षा विफलता थी। सिन्हा ने टाइम्स ऑफ़ इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि

पहलगाम में जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था; निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई। मैं इस घटना की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूँ, जो निस्संदेह एक सुरक्षा चूक थी। यहाँ आम धारणा यह रही है कि आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते। जिस जगह पर हमला हुआ वह एक खुला मैदान है। 2020 में कार्यभार संभालने वाले जम्मू-कश्मीर के दूसरे उपराज्यपाल ने भी एक चौंकाने वाली बात बताई। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस जगह यह घटना हुई, वह एक खुला मैदान है और वहाँ सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं थी। उन्होंने राष्ट्रीय दैनिक को बताया, ष्वहाँ सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं है,ष और आगे कहा कि यह एक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमला था। इस मामले में एनआईए द्वारा की गई गिरफ्तारियाँ स्थानीय संलिप्तता की पुष्टि करती हैं, लेकिन फिर भी यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा वातावरण पूरी तरह से दूषित हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि घाटी में बंद और पथराव की घटनाएँ अब अतीत की बात हो गई हैं।

नीतीश सरकार पर मायावती का वार

सीएम की घोषणाओं को जुमलेबाजी और चुनावी छलावा करार दिया

लखनऊ, संवाददाता। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हालिया रोज़गार संबंधी वादों को महज़ बयानबाज़ी और चुनावी छलावा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घोषणाएँ बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था से ध्यान भटकाने के लिए की गई हैं और राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। मायावती ने एक्स पर लिखा कि बिहार में क़ानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति की राष्ट्रीय चर्चाओं के बीच, संभवतः लोगों का ध्यान बाँटने के लिए, राज्य में एनडीए

गठबंधन की सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चुनाव बाद सरकार बनने पर अगले पाँच साल में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोज़गार उपलब्ध कराने की घोषणा वास्तव में लोगों को हकीकत से दूर, उनके अनुभवों के आधार पर, 'अच्छे दिन' जैसी जुमलेबाज़ी व चुनावी छलावा ज़्यादा लगता है। मायावती ने आगे लिखा किवैसे तो विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनावी वादे, दावे, घोषणाओं व छलावों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था व कार्यकलापों आदि को लेकर इनके चाल, चरित्र व चेहरे आदि को जनता भलीभाँति जानती है, फिर भी अपनी छल व छलावा की राजनीति की आदत से मजबूर ये विरोधी पार्टियाँ चुनाव से पूर्व इस प्रकार के अनेकों लोक लुभावने वादे करने में ज़रा भी नहीं डरती व घबराती हैं। इसी क्रम में बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी व रोज़गार का वादा इनके अन्य वादों से ज़्यादा मेल खाता है, जो जनता वास्तव में अब तक के उनके अनुभव के आधार पर जानती भी है।

चाका नैनी के देव स्कूल ने वॉलीबाल में गढ़ा नया इतिहास

-म्योहाल में जिला जूनियर बालक वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न, स्पोर्ट्स हास्टल म्योहाल बनी उपविजेता

प्रयागराज। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं क्षेत्रीय खेल कार्यालय प्रयागराज द्वारा म्योहाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक दिवसीय ६ जिला स्तरीय जूनियर (अंडर–18) बालक वॉलीबाल प्रतियोगिता ६ संपन्न हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच विजेता क्लब न्यायीपुर और एस.एन.पी.एस शिवकुटी के बीच खेला गया। जिसमें विजेता क्लब न्यायीपुर ने एस.एन.पी.एस शिवकुटी को 25 – 21 व 25 – 19 अंकों से हराकर उद्घाटन मैच जीत लिया। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का किया। प्रतियोगिता के खेले गए अन्य मैचों में केबीएम कमलानगर ने म्योहाल स्पोर्ट्स ट्रेनीज को, बीएनटी मेजारोड ने बीएमएस कॉलेज को, बीएलपी फूलपुर ने ग्रामीण क्लब सोरांव को, स्पोर्ट्स क्लब मऊआइमा ने मदन मोहन मालवीय स्टेडियम को, देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल चाका नैनी ने एलडीसी सोरांव को, गांधी इंटर कॉलेज पटेलनगर ने बीएसएम कॉलेज को, पतंजलि स्कूल तेलियरगंज ने आर्मी पब्लिक स्कूल को, ईश्वर दीन इंटर कॉलेज जसरा ने इलाहाबाद पब्लिक स्कूल को, स्पोर्टिंग क्लब पडिला ने एसएनए नैनी को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में मैच के दौरान फूलचंद गुप्ता, अल्ताफ अली, मुकेश शुक्ला, संतोष भास्कर, गुलशन हाशमी व आशीष यादव ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के अध्यक्ष प्रभात राय ने फीता काटकर किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल प्रयागराज और देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल चाका नैनी के बीच खेला गया। जिसमें देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल चाका नैनी ने म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल प्रयागराज को 25 – 22, 23 – 25 व 25 – 10 अंकों से हराकर जिला स्तरीय जूनियर बालक वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर अपना कब्जा कर लिया। वहीं प्रतियोगिता के खेले गए प्रथम सेमीफाइनल मैच में म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने ईश्वर दीन इंटर कॉलेज जसरा को 25 – 17 व 25 – 19 अंकों से हारकर फाइनल में प्रवेश किया तथा दूसरे सेमीफाइनल मैच में देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल चाका नैनी ने स्पोर्टिंग क्लब मऊआइमा को 25 – 22 व 26 – 24 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। उक्त अवसर पर डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला, कोषाध्यक्ष के.बी.एल.श्रीवास्तव, भैया राम एडवोकेट, संजय राय, रामनिवास यादव, अनुपम राय, गुलजार यादव, प्रियांशु शर्मा आदि पदाधिकारी व खिलाड़ीगण मौजूद रहे।

ट्रंप की नीतियां वैश्विक व्यापार ढांचे को अव्यवस्थित कर रही हैं

-यह एक अवसर है कि भारत अपने अन्य व्यापार साझेदारों से अपने रिश्ते को मजबूत करें

प्रयागराज। स्वराज विद्यापीठ प्रयागराज की ओर से ष्ट्रंप, टैरिफ और भारतीय अर्थव्यवस्थाष पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में प्रोफेसर डॉ उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि ट्रंप की प्रशुल्क संबंधी नीतियां वैश्विक व्यापार ढांचे को अव्यवस्थित कर रही हैं। इससे वैश्विक व्यापार व्यवस्था की अनिश्चितता बढ़ रही है। बहुपक्षीय वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अमेरिका की भूमिका कम होने का यह संकेत है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारत के लिए यह महत्वपूर्ण है कि अमेरिका से उसका समझौता घरेलू अर्थव्यवस्था और निर्यात पर किस प्रकार प्रभाव डालेगा। यदि प्रशुल्क बढ़ने के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आती है तो इसका असर भारत पर भी पड़ेगा, लेकिन वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था में घरेलू सूचक काफी बेहतर है, इसलिए संवृद्धि दर 6 से 6.5: बनी रहेगी। यह एक अवसर है कि भारत अपने अन्य व्यापार साझेदारों से अपने रिश्ते को मजबूत करें। प्रो सिंह ने कहा कि इस समय भारत को अपनी क्षमताओं को बढ़ाने पर विचार करना चाहिए और साथ ही समान सोच वाले देशों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रोफेसर कृष्ण स्वरूप आनंदी ने कहा कि भारत को अल खतरा चीन से है। चीन ने जिस प्रकार से रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात को रोका है और भारत में आईफोन की निर्माता कंपनी फॉक्स फोन के इंजीनियरों को जिस प्रकार से बुलाया है , भारत को अपने नीतियों और उपायों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ स्वप्निल श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां न सिर्फ अनिश्चितता और अविश्वास उत्पन्न करती हैं, यह वैश्विक व्यवस्था के लिए चिंता का सबब हैं। प्रोफेसर आर सी त्रिपाठी ने कहा की ट्रंप की नीतियां विश्व व्यापार संगठन के लिए खतरा है जो कि अंततः बहुराष्ट्रीय कंपनियों को नुकसान पहुंचाएगा। आधुनिक विकास जिस तरह से प्रकृति का विनाश कर रहा है और आमजन का शोषण कर रहा है उसके लिए आवश्यक है कि हम एक वैकल्पिक विकास का मार्ग चुनने की ओर आगे बढ़े। संचालन डॉ स्वप्निल श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर आर सी त्रिपाठी ने किया। संगोष्ठी में श्रोताओं ने अनेक प्रश्न भी पूछा जिसका मुख्य वक्ता ने उत्तर दिए। इस कार्यक्रम में प्रो राम प्रकाश सिंह, प्रो. बी. राय, वरिष्ठ साहित्यकार श्री प्रकाश मिश्र, श्रीमती सुमन शर्मा, डॉ कैलाशनाथ पाण्डेय, शिविका मिश्रा, अंकिता पांडे, अमीवर्स सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

चावल-चीनी की महंगाई भी कम न कर सकी अनरसे की मिठास

प्रयागराज। उत्तर भारत की प्रमुख मिठाइयों में अनरसे की एक अलग पहचान है। जून माह से ही इसके बनने व बिकने का सिलसिला शुरू हो जाता है। चावल, चीनी के साथ गुड़, रिफाइंड के दाम बढ़ गए हैं। लेकिन, अनरसे की मांग में कोई कमी नहीं है। हालांकि, व्यापारियों के मुनाफे पर जरूर असर पड़ा है।

प्रयागराज–प्रतापगढ़ राजमार्ग पर स्थित मऊआइमा के हरिसेनगंज बाजार में बड़े पैमाने पर अनरसे का कारोबार होता है। बाजार में रहने वाले दो दर्जन परिवारों की आजीविका का यही एक मात्र साधन है। तीन–चार महीने चलने वाला यह कारोबार मध्य जून से शुरू होकर अक्टूबर माह तक चलता है। गुड़,चावल एवं रिफाइंड ऑयल से बनने वाला अनरसा आसपास के जनपदों में भी काफी लोकप्रिय है। स्वादिष्ट होने के साथ यह सस्ता मिलता है। यही वजह है कि गरीब व मध्यम वर्ग के लोग इसे काफी पसंद करते हैं। अनरसा कारोबारी महेश चंद्र ने बताया कि हम लोगों द्वारा हर दिन करीब दस से बारह क्विंटल अनरसा तैयार किया जाता है। इसकी फुटकर बिक्री 80 से 100 रुपये किलो तथा थोक बिक्री 65 से 75 रुपये किलो के हिसाब से की जाती है।

पाइप लाइन डालने को खोदी पटरियां, इंटरलॉकिंग न होने से परेशानियां

प्रयागराज। प्रीतम नगर की पहचान शहर के पॉश इलाकों में है। यहां कई सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक सहित प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारी भी रहते हैं। कई दशक पूर्व बसी इस कॉलोनी में बिजली–पानी और सीवर की समस्या आम है। करीब चार माह पूर्व यहां सड़क की पटरियों को खोद कर पाइप लाइन बिछाई गई, लेकिन इसके बाद खोदे गए गड्ढों को गिट्टी डाल कर छोड़ दिया गया। लोगों के घरों के सामने गड्ढों को समतल कर इंटरलॉकिंग नहीं की गई। अब लोगों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। जाम की भी समस्या आम हो गई है।

सबसे अधिक परेशानी व्यापारियों को उठानी पड़ रही है। लोगों से बात की गई तो उनका आक्रोश फूट पड़ा। कहा कि नगर निगम टैक्स वसूलने का कोई मौका नहीं छोड़ता, लेकिन समस्याओं के निराकरण में कोई दिलचस्पी नहीं रहती। प्रीतम नगर कॉलोनी के मुख्य मार्गों की पटरियों के गड्ढे मुसीबत बने हुए हैं। करीब चार माह से इस समस्या की बाबत लगातार शिकायत के बावजूद निगम के जिम्मेदार निदान नहीं कर रहे हैं। मार्च में यहां मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फास्ट्रक्चर डवलपमेंट स्कीम के तहत कार्य शुरू कराया गया। पीएनजी के लिए भूमिगत लाइन डालने के लिए सड़क के दोनों तरफ डेढ़ मीटर चौड़े गड्ढे खोदे गए। पाइप लाइनें डाली गईं, लेकिन इसके बाद गड्ढों को समतल कर इंटरलॉकिंग करने की बजाए गिट्टी–मिट्टी भर कर छोड़ दिया गया। इससे अब बारिश में हालात बिगड़ गए हैं। घरों के सामने खोदे गए गड्ढों के कारण आवागमन की मुश्किल खड़ी हो गई है। अंधेरे में लोग गिरकर घायल हो जा रहे हैं। सर्वाधिक परेशानी मुख्य मार्ग पर बसे आवंटियों और व्यापारियों को हो रही है। व्यापार चौपट हो रहा है। कारोबारियों का कहना है कि पटरियां खोदी होने के कारण ग्राहकों को दुकान तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। कारोबार प्रभावित हो रहा है। कइयों की तो बोहनी नहीं हो

पाती। पटरियों को खोद कर छोड देने के कारण पटरी कारोबारी और ठेले वाले सड़क पर दुकान लगा रहे हैं, जिससे जाम की समस्या खड़ी हो गई है। सुबह–शाम जाम विकट हो जाता है। दोपहिया वाहन चालक भी नहीं निकल पाते। गड्ढों में गिट्टी भरने की कवायद में सड़क और पटरी की ऊंचाई में अंतर आ गया है। दोपहिया वाहन सवार अगर रुकने के लिए पैर जमीन पर रखने का प्रयास करते हैं तो पैर गड्ढे में चला जाता है और गिरकर घायल हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि घर के सामने डेढ़ मीटर चौड़ा और करीब एक फीट गहरा गड्ढा खोद कर छोड़ देने के कारण छोटे बच्चे भी चोटिल हो रहे हैं। व्यापार मंडल के लोगों ने बताया कि इसकी शिकायत नगर निगम के उच्चाधिकारियों सहित महापौर से भी की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है। समस्या का शीघ्र निराकरण न होने पर व्यापारी आंदोलन का मन बना रहे हैं। बारिश ने बढ़ा दी परेशानी पटरियों को खोद कर उसमें गिट्टी भरने के कारण पैदा हुई समस्या को बारिश ने और बढ़ा दी है। गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से कीचड़ और फिसलन हो गई है। जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। लोगों ने बताया कि पानी भर जाने से गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता और लोग गड्ढे में फंसकर गिर जा रहे हैं। जलभराव की स्थिति बनी हुई है। कहीं कहीं तो गड्ढे इतने गहरे हैं कि स्कूटी के पहिए उससे नहीं निकल पाते। आए दिन होता है विवाद पटरियों पर गड्ढे होने के कारण ठेले और पटरी दुकानदार सड़क पर दुकान लगा ले रहे हैं। इसके अलावा वाहन भी सड़क पर ही लोग खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और सुबह शाम–जाम लगा रहता है। इसके कारण लोगों में विवाद होता रहता है। दुकानों के आगे ठेले, वाहन आदि खड़े करने के कारण दुकानदारों के दुकान तक पहुंचने का रास्ता बाधित हो जाता है। दुकानदारों से भी लोगों का विवाद होता है। लोगों का कहना है कि सारी समस्या की जड़ गड्ढे हैं। अगर गड्ढों को समतल कर इंटरलॉकिंग करा दी जाए तो समस्या से छुटकारा मिल जाए। दुर्गा पूजा पार्क में जलभराव कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर स्थित दुर्गा पूजा पार्क का उचित रखरखाव न होने से पार्क में जगह जगह गड्ढे बन गए हैं। पार्क में जलजमाव होता है। अतिक्रमण के कारण पार्क तक पहुंचने में लोगों को दिक्कत होती है। जलभराव के कारण न तो बच्चे पार्क में खेलने के लिए आ पा रहे हैं न ही कोई आयोजन हो पा रहा। लोगों का कहना है कि इस पार्क में दुर्गा पूजा सहित विविध आयोजन होते रहते हैं। यह कॉलोनी के प्रमुख पार्कों में है, लेकिन इसकी देखरेख न होने से बदहाल होता जा रहा है।

शिकायतें और सुझाव – सड़कों की पटरियों को खोद कर उसे ठीक नहीं किया गया। – इंटरलॉकिंग करने की बजाए गड्ढों में गिट्टी भर दी गई है। – सड़क व पटरी की ऊंचाई में काफी अंतर से हादसे हो रहे हैं। – पटरियां समतल न होने से सड़क पर वाहन खड़े हो रहे हैं। – प्रतिदिन सुबह–शाम जाम की समस्या, बारिश में जलभराव। सुझाव – गड्ढों को पाटकर समतल कराया जाए जिससे आवागमन सुगम हो। – सड़क और पटरी का लेवल सही किया जाए, जिससे सुविधाजनक हो। – सड़कों से अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। – दुर्गा पूजा पार्क की उचित देखभाल की जाए, मैदान समतल कराया जाए। हमारी भी सुनें प्रीतम नगर कॉलोनी में मुख्य मार्ग के दोनों तरफ डेढ़ मीटर चौड़ा और करीब एक फीट गहरा गड्ढा खोद कर छोड़ दिया गया है। इससे व्यापार चौपट हो रहा है। ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। – राजेश गुप्ता पाइप लाइन डालने का काम खत्म होने के बाद भी गड्ढे नहीं पाटे गए, जिससे बड़ी समस्या पैदा हो गई है। इसकी शिकायत नगर निगम के उच्चाधिकारियों से की गई, लेकिन समाधान नहीं किया गया है । – अमरजीत सिंह दुर्गा पूजा पार्क की हालत दयनीय है। पार्क में गड्ढे हो गए हैं और बारिश होते ही जलभराव हो जाता है। इसके कारण लोग पार्क का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। यह प्रमुख पार्क है, इसकी दशा सुधारी जाए। – जयशंकर श्रीवास्तव चार महीने से हम लोग सड़क की पटरियों को खोद कर छोड़ दिए जाने से परेशान हैं। इससे वाहन नहीं निकल पाते और हमेशा जाम लगा रहता है। गड्ढों को पाटकर इंटरलॉकिंग करा दी जाए तो राहत मिले। –अरुण कुमार श्रीवास्तव घर के ठीक सामने पटरी पर डेढ़ मीटर चौड़ा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। ठेकेदार काम बंद कर चला गया है। शिकायत के बावजूद अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे हम लोग परेशान हैं। – हरिओम पाण्डेय जब काम शुरू हुआ तो हम लोग काफी खुश थे कि काम पूरा होने पर सड़क और पटरी की हालत में भी सुधार आ जाएगा, लेकिन स्थिति और बिगाड़ दी गई। अब गड्ढों के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। – बाबू लाल कनौजिया मुख्यमंत्री के ग्रीन रोड डवलपमेंट स्कीम के तहत किए जा रहे कार्य में चार माह पूर्व मुख्य मार्ग की दोनों तरफ डेढ़ मीटर चौड़ा गड्ढा बना कर छोड़ दिया गया है। इससे यातायात बाधित

हाइड्रा की टक्कर से वृद्ध की मौत, मिर्जापुर मार्ग किया जाम

प्रयागराज। दिघिया बाजार में हाइड्रा वाहन की टक्कर से सड़क पार कर रहा वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना स्थल पर पहुंचने से पहले शव को पोस्टमार्टम घर भेजने से नाराज परिजनों ने मिर्जापुर राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। एसीपी मेजा के आश्वासन पर सवा घंटे बाद आक्रोशित परिजन शांत हुए और आवागमन बहाल हुआ। इस दौरान राजमार्ग के दोनों तरफ एक किमी तक वाहनों की कतार लग गई।

मांडा थाना क्षेत्र के नरवर चौकठा गांव निवासी श्रीराम निषाद (75) घर पर किराना की दुकान चलाते थे। रविवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे खरीदारी करने के लिए वह साइकिल से दिघिया बाजार गए थे। सब्जी मंडी के समीप साइकिल खड़ी कर वह मिर्जापुर राजमार्ग पार करने लगे। इसी दौरान बेकाबू हाइड्रा वाहन के चालक ने श्रीराम निषाद को टक्कर मार दी। सीने में लगी गंभीर चोट के कारण वह सड़क पर गिरकर तड़पने लगे। सूचना पर दलबल के साथ मौके पर पहुंचे दिघिया पुलिस चौकी प्रभारी विक्की गुप्ता ने घायल को दिघिया बाजार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान करीब आधे घंटे बाद घायल की सांसें थम गईं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन भेज दिया।

दूसरी तरफ रोते–बिलखते मृतक की पत्नी रानी देवी ग्रामीणों के साथ घटना स्थल पर पहुंची। परिजनों ने शव को देखे बिना ही पोस्टमार्टम घर भेजने और हाइड्रा वाहन व चालक को मौके से भगा देने का आरोप पुलिस पर लगाते हुए हंगामा करने लगे। संवाद।

थोड़ी देर में मौके पर तमाम ग्रामीण जमा हो गए। आक्रोशित ग्रामीण साढ़े 12 बजे मिर्जापुर राजमार्ग पर धरने पर बैठ गए और चक्का जाम कर दिया। सूचना पर भारी पुलिस बल के साथ इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन शव को वापस मंगाने और हाइड्रा वाहन चालक को पकड़ने की जिद पर अड़े रहे। इसी बीच एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय मौके पर पहुंचे और हाइड्रा चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया।

करीब दोपहर 1.50 बजे मिर्जापुर राजमार्ग पर यातायात बहाल हुआ। सवा घंटे चले चक्का जाम के चलते राजमार्ग पर एक किमी तक वाहनों की कतार लग गई। राजमार्ग जाम होने के चलते राहगीर बेलन नहर मार्ग से होकर निकलने का प्रयास करने लगे। नहर मार्ग की चौड़ाई कम होने से नहर मार्ग पर भी जाम लग गया और राहगीर जहां–तहां फंसे रहे। मृतक के तीन बेटों में राजेश परिवार के साथ दिल्ली शहर रहता है। राकेश और जितेंद्र बंगलूरू रहते हैं। घटना की जानकारी पर तीनों गांव के लिए चल दिए।

मुकदमा दर्ज, वाहन को कब्जे में लिया

इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के रिश्तेदार जगदीश पुत्र रामदास की तहरीर पर हाइड्रा वाहन चालक मेजा थाना क्षेत्र के अमिलिया कला गांव निवासी शिवम तिवारी उर्फ ननकऊ के खिलाफ लापरवाही बरतने का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हाइड्रा वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

गर्मी में त्वचा की देखभाल के लिए बड़ा कदम, लोगों ने कराई जांच

प्रयागराज। बारिश और उमस भरी गर्मी में त्वचा संबंधी समस्याएं आम हैं। इन समस्याओं का समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से टेटमोसोल और अमर उजाला ने खास पहल की। इसके तहत शहर के द्वारिका पुरी स्थित अस्पताल में 11 और 12 जुलाई को दो दिनी त्वचा जांच शिविर का आयोजन किया गया। बारिश और उमस भरी गर्मी में त्वचा संबंधी समस्याएं आम हैं। इन समस्याओं का समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से टेटमोसोल और अमर उजाला ने खास पहल की। इसके तहत शहर के द्वारिका

पुरी स्थित अस्पताल में 11 और 12 जुलाई को दो दिनी त्वचा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में त्वचा की जांच को लेकर खासा उत्साह दिखा और लोगों ने बढ़ चढ़कर इसमें हिस्सा लिया। चिकित्सकों ने चेकअप कर मरीजों को आवश्यक सलाह दी। उन्होंने बताया कि इस मौसम में त्वचा संबंधी बीमारियां बढ़ जाती हैं लेकिन आवश्यक एहतियात बरतकर इन सबसे बचा जा सकता है। स्किन जांच कैंप से पहले शहर के विभिन्न हिस्सों में 15 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में कलाकारों की टीम ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को होने वाले निशुल्क स्किन चेक– अप कैंप के बारे में जानकारी दी। यह अभियान न केवल प्रयागराज बल्कि वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, पटना और गया में भी चलाया गया।

टीजीटी परीक्षा भी टलेगी, 7 दिन बाकी पर जारी नहीं हुए प्रवेश पत्र, दो बार हो चुकी है स्थगित

प्रयागराज। आयोग के गठन के बाद पीजीटी परीक्षा की तीन बार तिथियां घोषित होने के बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई। वहीं, टीजीटी परीक्षा भी दो बार स्थगित की गई। टीजीटी के 3539 व पीजीटी के 624 पदों पर भर्ती होनी है और इसके लिए कुल 13.19 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों पर भर्ती के लिए 21 व 22 जुलाई को प्रस्तावित लिखित परीक्षा का टलना तय माना जा रहा है। अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र अभी जारी नहीं हुए हैं। सोमवार को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की बैठक में इस मसले पर निर्णय लिया जा सकता है।

टीजीटी परीक्षा पूर्व में दो बार और प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा तीन बार स्थगित की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने टीजीटी व पीजीटी के 4163 पदों पर भर्ती के लिए 16 जुलाई 2022 को आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली थी लेकिन उत्तर प्रदेश

शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन के इंतजार में परीक्षा का आयोजन अटका रहा।

आयोग के गठन के बाद पीजीटी परीक्षा की तीन बार तिथियां घोषित होने के बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई। वहीं, टीजीटी परीक्षा भी दो बार स्थगित की गई। टीजीटी के 3539 व पीजीटी के 624 पदों पर भर्ती होनी है और इसके लिए कुल 13.19 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इनमें टीजीटी के लिए 8.69 लाख व पीजीटी परीक्षा के लिए 4.50 लाख परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

आयोग ने टीजीटी परीक्षा दो बार स्थगित करने के बाद इसकी तीसरी तिथि 21 व 22 जुलाई निर्धारित की है लेकिन अब इस परीक्षा का टलना भी लगभग तय है। परीक्षा में आठ दिन शेष रह गए हैं और अब तक अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी नहीं हुए हैं। सोमवार को आयोग की बैठक है जिसमें टीजीटी परीक्षा को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है।

प्रवक्ता (पीजीटी) परीक्षा तीन बार स्थगित करने के बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने अगस्त के अंतिम सप्ताह में इसे प्रस्तावित किया है लेकिन आयोग ने परीक्षा तिथि को लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं की है। यह परीक्षा थी चौथी बार समय से हो सकेगी या नहीं, इस पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। टीजीटी/पीजीटी भर्ती के मुद्दे पर पिछले दिनों आयोग पर अभ्यर्थियों ने कई दिन आंदोलन किया। इस दौरान अलग–अलग छात्र संगठनों ने आयोग में ज्ञापन देकर सिर्फ एक सवाल पूछा कि आखिर परीक्षा कब होगी।

पत्नी से गुजारा भत्ता मांगने पीसीएस ज्योति मौर्या का पति पहुंचा हाईकोर्ट, आठ अगस्त को होगी सुनवाई

प्रयागराज। पीसीएस अफसर ज्योति मौर्या के पति आलोक मौर्य ने पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है। कोर्ट ने ज्योति मौर्या को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की अगली तिथि आठ अगस्त निर्धारित की है। बहुचर्चित पीसीएस ज्योति मौर्या के पति ने अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाए जाने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने पति की अपील पर ज्योति मौर्या को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और डॉ. वाईके श्रीवास्तव की खंडपीठ ने पति आलोक मौर्य की ओर से आजमगढ़ की परिवारिक अदालत की ओर से गुजारा भत्ता की मांग वाली अर्जी खारिज करने वाले आदेश के खिलाफ दाखिल अपील पर दिया है। याची की दलील है कि उसकी पत्नी पीसीएस अफसर है। याची की आमदनी बेहद कम है। लिहाजा, वैवाहिक विवादों के लंबित रहने के दौरान उसे अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाया जाए।कोर्ट ने पाया कि अपील निर्धारित समय से 77 दिन की देरी से परिवारिक अदालत की डिक्री की प्रमाणित प्रतिलिपि के बिना दाखिल की गई है। हालांकि, याची ने देरी माफी और प्रतिलिपि दाखिले की छूट प्रदान करने की अर्जी भी अपील संग प्रस्तुत की है।

शिक्षाऋषि पद्मभूषण वीतराग स्वामी कल्याणदेव स्मृति 13वां कावड़ सेवा शिविर 2025

मुजफ्फरनगर। भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्तों के सेवार्थ कावड़ सेवा शिविर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरू भगवान के अनन्य भक्त इं० अरूण नीखरा, मुख्य अभियन्ता नलकूप वाराणसी के विशेष प्रोत्साहन, इन्जीनियर्स क्लब के प्रदेश अध्यक्ष इं० एच० एन० सिंह, मुख्य अभियन्ता(शारदा), बरेली व इं० वी वी

कृष्णा, मुख्य अभियन्ता नलकूप पश्चिम, मेरठ की प्रेरणा व इं० संजय कुमार वर्मा, अधीक्षण अभियन्ता, नलकूप मण्डल, सहारनपुर एवं इं० अनिल कुमार, अधीक्षण अभियन्ता, नलकूप मण्डल, आगरा के मार्गदर्शन में मेरठ रोड़ पर अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, मुज़फ्फरनगर के कार्यालय के सामने वाली ओर दिनांक 14 जुलाई 2025 से 21 जुलाई 2025 तक एक सप्ताह का, रात–दिन, 24 घन्टे अनवरत लगाया जाएगा।

इन्जीनियर्स क्लब के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने बताया कि कावड सेवा शिविर का विधिवत उद्घाटन/शुभारंभ इन्जीनियर्स क्लब के संरक्षक इं० अशोक अग्रवाल, निदेशक वैष्णव स्टील्स, मुज़फ्फरनगर की गरिमामय उपस्थिति में शिविर संरक्षक इं० पवन अग्रवाल, मुख्य अभियन्ता, (विद्युत वितरण), मुज़फ्फरनगर जोन के कर–कमलों से सैंकड़ो शैक्षिक संस्थानों के संस्थापक शिक्षाऋषि श्पद्मभूषणश वीतराग स्वामी कल्याणदेव के निर्वाण दिवस 14 जुलाई 2025, दिन सोमवार को प्रातरू 10रू00 बजे इन्जीनियर्स क्लब के अध्यक्ष इं० सुभाष चंद्रा, अधिशासी अभियन्ता, मुज़फ्फरनगर खण्ड गंगा नहर की अध्यक्षता, इं० कुमार गौरव, अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, मुज़फ्फरनगर व इं० संजय कुमार तेवतिया, अधिशासी अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड, मुज़फ्फरनगर के सानिध्य में किया जायेगा।

16 जुलाई से जिला बु.शहर में शुरू होगा शिक्षक जागरूकता एवं मिशन मानसून पौधारोपण का अभियान

मुजफ्फरनगर। आगामी 16 जुलाई से जिला बुलंदशहर में शिक्षक जागरूकता एवं मिशन मानसून पौधारोपण अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस अभियान की जानकारी देते हुए समाजसेवी, शिक्षाविद् , पर्यावरणविद् एवं शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संस्थापक डॉ. कुलदीप मलिक ने बताया कि इस इस अभियान की शुरुआत बुलंदशहर में डी एम रोड स्थित विद्या भारती के संस्थान विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से की जाएगी और फिर इसे जिले के सभी माध्यमिक एवं उत्तर शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचाया जाएगा। डॉक्टर मलिक के अनुसार इस अभियान के तहत शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले जनपद के हर एक इंसान को शिक्षा क्षेत्र को बचाने के लिए जागरूक किया जाएगा और साथ ही साथ प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में 2 से लेकर 10 पौधों को रोपित करके शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं प्रबंधकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। रोपित किए जाने वाले पौधों में से 1 बरगद के पौधे का रोपण प्रत्येक विद्यालय में अनिवार्य होगा। बरगद के अलावा नीम, पीपल, पोखर जैसे छायादार पौधे और बेल पत्थर, आंवला, शहतूत, नींबू, नाशपाती जैसे फलदार पौधे भी शैक्षणिक संस्थानों में रोपित किए जाएंगे।

समस्त सनातनियों के लिए है 'नमः शिवाय' : संजीव शंकर

मुजफ्फरनगर। नमः शिवाय पंचाक्षर मंत्र मंत्रों का राजा है, इस मंत्र को सभी जाति वर्ण के लोग जप सकते हैं। महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर ने बताया कि शिव पुराण के अनुसार जिसके हृदय में श्ध नमः शिवायश यह षड़क्षर मंत्र प्रतिष्ठित है, उसे दूसरे बहुसंख्यक मंत्रों और अनेक विस्तृत शास्त्रों से क्या प्रयोजन है? जिसने श्ध नमः शिवायश इस मंत्र का जप दृढ़तापूर्वक अपना लिया है, उसने संपूर्ण शास्त्र पढ़ लिया और समस्त शुभ कृत्यों का अनुष्ठान पूरा कर लिया। आदि में श्नमःश पद से युक्त श्शिवायश ये तीन अक्षर जिसकी जिह्वा के अग्रभाग में विद्यमान हैं, उसका जीवन सफल हो गया। संजीव शंकर ने बताया कि शिव पुराण की विध्येश्वर संहीता में बताया गया है कि ब्राह्मण के लिए प्रणव से युक्त पंचाक्षर मंत्र ष्ट नमः शिवायष्श्रेष्ठ है, अन्यों के लिए अंत में नमरू अर्थात् ष्शिवाय नमःष मंत्र का उच्चारण करे, स्त्रियों के लिए भी ष्शिवाय नमःष ही श्रेष्ठ है।

खालापार निवासी शार्प शूटर शाहरुख को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया

मुजफ्फरनगर। संजीव जीवा–मुख्तार अंसारी गैंग का शार्प शूटर शाहरूख पठान एसटीएफ मेरठ की मुठभेड़ में मारा गया। छपार थाने क्षेत्र के रोहाना मार्ग पर हुई मुठभेड़ में उसकी कार और भारी मात्रा में असलाह भी बरामद किया गया। मुजफ्फरनगर के खालापार निवासी शाहरुख पठान को एसटीएफ ने मुठभेड़ के बाद पुलिस की गोली का शिकार बन गया। शाहरुख पठान के पास से एसटीएफ ने एक कार, एक पिस्तौल और एक रिवाल्वर बरामद की गई है।

भयहरणनाथ धाम में सावन के प्रथम सोमवार को श्रद्धालुओं का तांता

मंगलवार को परम्परागत मेला के कारण होगी भारी भीड
पुलिस व नगर पंचायत व प्रबन्ध समिति की उत्तम व्यवस्था

प्रतापगढ। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में सावन के प्रथम सोमवार को भक्तों का तांता लगा रहा। कांवरियां प्रयागराज व श्रृंगवेरपुर से निरन्तर गंगा जल लाकर शिव भोले का जलाभिषेक कर रहे हैं। मंगलवार मेला के दृष्टिगत देर शाम नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, थानाध्यक्ष जेठवारा सुभाष यादव व महासचिव समाज शेखर ने धाम में मंगलवार को परम्परागत मेला होने के कारण भारी भीड की के मददेनजर सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कुछ अनाधिकृत व्यक्ति कन्ट्रोल रूम के माईक को अपने कब्जे में लेने का प्रयास कर रहे थे जिसका मन्दिर व मेला समिति के पदाधिकारियों के विरोध करने पर कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने नियंत्रित किया। क्षेत्राधिकारी करिशमा गुप्ता ने भ्रमण कर सभी व्यवस्था का जायजा लिया।

यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि सुबह 5 बजे मुख्य मन्दिर में पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मन्दिरों के पुजारियों ने विधिवत पूजन करके मन्दिर के कपाट खोल

दिए। भक्तों का सुबह तांता लगा रहा और बोल बम के नारों से धाम गुंजायमान हो गया। सभी देवाधिदेव महादेव को जलाभिषेक कर असीम सुख की अनुभूति कर रहे है। वहीं सुबह से ही मुख्य मन्दिर सहित सभी मन्दिरों में पुलिस, महिला पुलिस व मन्दिर व मेला समिति के कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। सुबह सुबह भक्त गण मुख्य मन्दिर परिसर तक मोटर साइकिल लेकर चले गए। जिसे पुलिस ने सुव्यवस्थित कराते हुए सक्त हिदायत दी की सोमवार व मंगलवार को धाम परिसर में वाहन प्रवेश प्रतिबन्धित है। मंगलवार को प्रतापगढ की ओर से आने वाले बडे वाहन मुखिया की बाग में पार्किग होगी। वहीं प्रयागराज से आने वाले वाहन दुर्गागंज की बाग में पार्क किए जा सकेगें। दोनों बैरियर पर पुलिस मुस्तैद है जो भक्तों का स्वागत करने को तत्पर है साथ ही चोर उच्चको पर पैनी नजर भी बनी है। महासचिव समाज शेखर ने बताया कि प्रबन्ध समिति की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष व प्रबन्ध समिति सदस्य फूल चन्द्र पटेल ने मेला क्षेत्र में रहकर अपनी सभी व्यवस्था में सहयोग किया। मेला कन्ट्रोल रूम में कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र की देखरेख में मन्दिर व मेला समिति के सदस्यगण अपेक्षित सहयोग प्रदान कर रहे हैं। प्रमुख भूमिका निभाने वालों में नगर पंचायत के प्रतिनिधि मुकेश सिंह मेला सचिव अनिल मिश्र मन्दिर सचिव मुरली पाण्डेय तेज प्रताप सिंह रामू तिवारी, अखिल प्रताप सिंह, हीरा लाल, विवेक सिंह, अशोक मिश्र, भानू सिंह, राजू तिवारी, राजू मैनेजर, हरिकेश पटेल, बटुक अग्रहरि आदि ने भूमिका निभाई।

डॉक्टर सोनू कश्यप बने कश्यप समाज और बुढ़ाना क्षेत्र के चमकते सितारे

मुजफ्फरनगर। कस्बा बुढाना के मूल निवासी डॉक्टर सोनू कश्यप पुत्र मुकेश कश्यप पौत्र मदनलाल कश्यप का जन्म जनपद मुजफ्फरनगर के कस्बा बुढाना में 21 फरवरी सन 1993 को हुआ था। इनके पिता खेती का काम करते थे और दादाजी हलवाई का काम करते थे, इनके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी लेकिन फिर भी डॉक्टर सोनू कश्यप में समाज के लिए कुछ कर गुजरने का जुनून था इसी जुनून को पूरा करने के लिए डॉक्टर सोनू कश्यप ने डॉक्टर बनने का निर्णय लिया। पुत्र के सपने को पूरा करने के लिए इनके पिता को अपनी खेती की जमीन भी बेचनी पड़ी। इस दौरान कुछ ईर्ष्यालु लोगों के द्वारा उनके पिता का मजाक भी बनाया गया।लेकिन डॉक्टर सोनू कश्यप अपने लक्ष्य पर खड़े रहे। डॉक्टर सोनू कश्यप ने अपनी पढ़ाई पूर्ण करने के

लिए जनपद मुजफ्फरनगर के मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज बेगराजपुर में एम.बी.बी.एस.में सितंबर सन् 2011में प्रवेश लेकर सन् 2017 में डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया।

इसके बाद डॉक्टर सोनू कश्यप ने कस्बे में सन् 2017 मे किराए पर एक छोटा सा क्लिनिक बनाकर निजी प्रैक्टिस कर कस्बे व ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दी।

आज डॉक्टर सोनू कश्यप का नाम कस्बे के प्रसिद्ध चिकित्सकों में गिना जाते हैं।

कस्बा बुढाना में डॉक्टर सोनू कश्यप ने अपनी समाज सेवा को बढ़ावा देने के लिए अपने दादाजी के नाम से जून 2023 में मदनलाल हॉस्पिटल की स्थापना की। डॉ.सोनू कश्यप अपनी धर्मपत्नी डॉ.सूची कश्यप बी.ए.एम.एस. के साथ मिलकर दोनों अपने हॉस्पिटल में कस्बे और देहात से आए गरीब मरीजों का अच्छी प्रकार से इलाज कर रहे हैं।समाज सेवा से जुड़े होने के कारण डॉक्टर सोनू कश्यप को कश्यप समाज द्वारा 4 जनवरी 2021 को अपने क्षेत्र के पांच गांव का चौधरी भी बनाया गया है।

डॉक्टर सोनू कश्यप को जनता की मांग पर आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में प्रभावी प्रत्याशी के रूप में भी माना जा रहा है। डॉक्टर सोनू कश्यप से जब इस बात पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि वे अपने समाज और क्षेत्र के सभी छोटे बड़े का सम्मान करते है और जैसी भी उन सभी की राय होगी उसका मान–सम्मान किया जाएगा।

श्रावण मास का पहला सोमवार आज, शिवालयों पर विशेष व्यवस्था

–कांवड़ यात्रा मार्गों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, अधिकारी लगातार ले रहे जायजा
–श्रावण मास की तैयारियों के अंतर्गत नगर आयुक्त ने शिवालयों का निरीक्षण किया

मथुरा। श्रावण उत्सव का महीना है। भक्ति और आस्था से सराबोर रहने वाले इस महीने में शिवालयों पर अलग ही रौनक रहती है। कांवड़ियों के झुंड वातावरण को भक्तिमय बनाते हैं, कुछ चलन में आई डाक कांवड भी आकर्षित करती है। कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था पुस्ता की गई है। सुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है हालांकि श्रद्धालु भंडारे चलाते हैं और कांवड़ियों की आवभगत करते हैं। जिला प्रशासन भी अपनी तरफ से व्यवस्थाएं कर रहा है। जिलाधिकारी एसपी सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार ने कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण किया। वहीं पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर अधिक संख्या में श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम मथुरा वृंदावन द्वारा शिवालयों में विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा नगर के प्रमुख मंदिर भूतेश्वर महादेव एवं रंगेश्वर महादेव मंदिर का औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने मंदिर परिसरों एवं उससे जुड़े मार्गों की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, पैच मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था व सुरक्षा प्रबंधन का गहन अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मंदिर परिसर एवं उसके आस पास

की गलियों में उच्च गुणवत्ता की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्थान पर कूड़ा एकत्रित न हो, इसके लिए निरंतर कूड़ा उठान की व्यवस्था की जाए तथा अलग से विशेष नए साफ गाड़ी की तैनाती की जाए। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग की बाउंड्री वॉल के झुके होने की स्थिति पर संज्ञान लेते हुए अवर अभियंता (निर्माण) मुनिदेव को निर्देश दिए गए कि सिंचाई विभाग को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए।

अवर अभियंता जलकल को निर्देशित किया गया कि मंदिर के मार्गों पर स्थापित प्याऊ को सुचारू रूप से संचालित रखा जाए तथा अतिरिक्त श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पेयजल टैंकरों की अलग से व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा मार्गों पर साफ सुथरा व व्यवस्थित वातावरण बनाए रखने के निर्देश सभी संबंधित जोनल अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को दिए गए। नगर आयुक्त महोदय ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सावन के पहले सोमवार को सभी अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और नगर की छवि एक स्वच्छ, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के अनुकूल शहर के रूप में स्थापित हो। निरीक्षण के दौरान गोपाल बाबू गर्ग नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मुनिदेव अवर अभियंता निर्माण, प्रतिभा ओझा अवर अभियंता जल, विपिन सिंह सफाई निरीक्षक अभिलाष सांगवान नेचर ग्रीन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

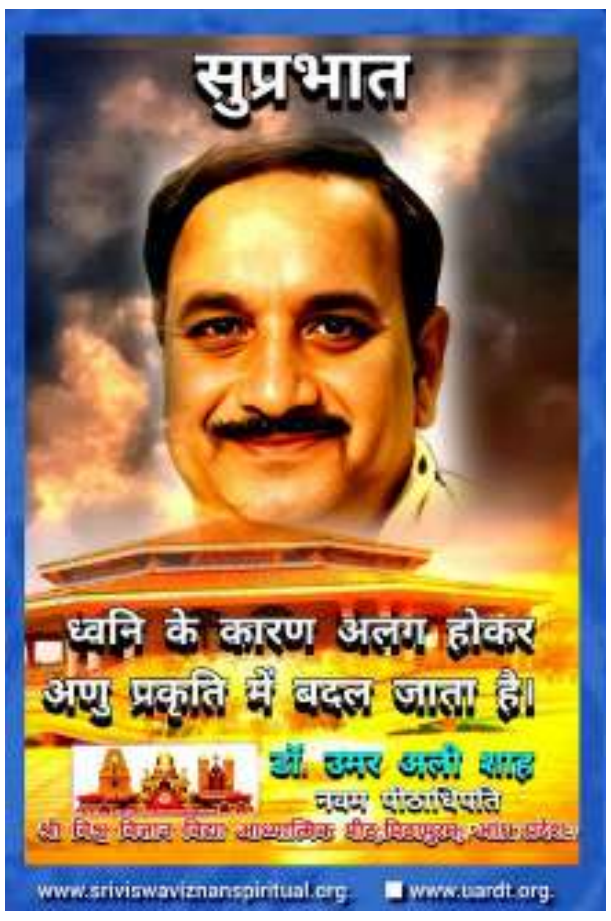

सिंदूरी आम

(कुण्डलिया)

सिंदूरी वह आम है, जिसकी मधुर मिठास।
यादों की संसार का,बचपन लाता पास,
बचपन लाता पास,स्वाद की बातें करके।
छिलका गहरा लाल,रहे अंतस रस भरके।
सुन लो कहें प्रदीप,न बातें करो अधूरी।
देशी है यह आम, नाम जिसका सिंदूरी।।

पोषक तत्वों से भरा,गूदा है रसदार,
वज़न ढाई सौ ग्राम है , मध्यम कद आकार,
मध्यम कद आकार,आम सिंदूरी कहते,
खाकर राजा–रंक,सदा गुण गाते रहते।
खाकर इसे प्रदीप,बताते इसको मोदक।
ऊर्जा से भरपूर, साथ तत्वों का पोषक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

छात्राओं को किया गया पाठ सामग्री वितरित

मुजफ्फरनगर। छात्र छात्राओं को किया पाठय् सामग्री वितरण संजय मिश्रा' भारत विकास परिषद मुजफ्फरनगर शाखा मेन द्वारा प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय बरूकी ब्लाक मोरना जिला मुजफ्फरनगर में छात्र–छात्राओं को पाठय् सामग्री का वितरण किया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र अग्रवाल प्रधानाचार्य उच्च प्राथमिक विद्यालय बरूकी, अभिषेक शर्मा प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय बरूकी,नवीन सिंघल प्रांतीय मार्गदर्शक, मनोज सेठी प्रांतीय प्र.प्र. मुख्य संपादक अभिज्ञान रहे। कार्यक्रम के संयोजक अनिल कुमार शर्मा, सुनीता शाह, वंदना शर्मा, सुखबीर सिंह तथा

राजीव त्रिखा रहे। इस अवसर पर भारत विकास परिषद शाखा मेन के अध्यक्ष संजय मिश्रा, सचिव नवनीत कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष नीरज सिंघल, मनोज कुमार राठी, केपी राठी आदि सदस्य मौजूद रहे व्यापारी नेता तथा शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा सभी बच्चों को मन लगाकर पढ़ना चाहिए और समाज के लोगों को पात्र बच्चों की सहायता करनी चाहिए ताकि वे देश के अच्छे नागरिक बन सके सभी बच्चे पाठय् सामग्री प्रकार बड़े प्रसन्न हुए शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा का सचिव नवनीत कुमार गुप्ता ने प्रधानाचार्य वीरेंद्र अग्रवाल व स्टाफ का आभार प्रकट किया व दौनौ विधालय के सौ से अधिक छात्र छात्राओं को पाठय् सामग्री पेन पेंसिल रबड़ सोपनर आदि वितरित किया गया बच्चों में अलग सा जोश व सबके चेहरों पर खुशी देखने को मिलीव सभी बच्चों के साथ मिष्ठान का भी आनंद लिया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में बीए एलएलबी पाठ्यक्रम में ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन

प्रयागराज। फैकल्टी ऑफ लॉ, सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम में एक ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन ''अकादमिक प्रकाशन समिति'' की पहल पर किया गया। इस सत्र में पाठ्यक्रम के सभी सेमेस्टरों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सत्र की शुरुआत ''मिस निवेदिता कौंडिन्या'' द्वारा कानूनी अनुसंधान (लीगल रिसर्च) की जानकारी से हुई, जिसमें छात्रों को अनुसंधान कौशल विकसित करने की आवश्यकता के बारे में बताया गया। ओरिएंटेशन सत्र के बाद छात्रों को ''ब्ब्स्। संदर्भ शैली'' (ब्ब्स्। बपजंजपवद जलसम) की बुनियादी जानकारी दी गई, जो कि एक प्रमुख विधिक संदर्भ शैली है। इस पहल का संयोजन ''श्री पीयूष कुमारेंद्र, सुश्री निवेदिता कौंडिन्य और श्रीमती अनुश्री पांडेय'' द्वारा किया गया, और यह ''बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) की समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह'' के मार्गदर्शन में संचालित हुई। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को ''शैक्षणिक शोध पत्र लेखन में मार्गदर्शन'' प्रदान करना है। यह पहल ''प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे'' द्वारा निर्धारित कुशल विधिक पेशेवरों के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक प्रयास है।

सम्पादकीय.....

नाचते मोर, गूंजते गीत और भीगी परंपराए

सावन का महीना साल के सभी महीनों में खास है। यह जितना भक्ति और आध्यात्मिकता के वातावरण से परिपूर्ण होता है, इसका उतना ही अपना सांस्कृतिक प्रभाव भी है, जैसा किसी दूसरे महीने का नहीं। सावन का महीना वर्षा गीतों का भी महीना है। कजरी, झूला, मेला–कैरवा तथा सावनी ये सब लोकराग और वनहटिया गीत केवल रिमझिम बूंदों की झड़ी वाले सावन के महीने में ही सुनायी पड़ते हैं। इसके अलावा इस माह में शास्त्रीय संगीत की भी एक गहन विरासत है। इसी माह में मेघ और मियां मल्हार राग की गूंज पूरे वातावरण को मोहित कर देती है। सावन की घटाएं अपने आपमें कविता हैं। लाखों कवियों ने इन घटाओं के रिमझिम बारिश की है। लेकिन जब ये कविताएं शास्त्रीय संगीत की तान पर सवार होती हैं, तो सावन का महीना अपने आप में एक अनुगूंज बन जाता है। सावन के महीने का जितना धार्मिक महत्व है, उससे कम सांस्कृतिक महत्व नहीं है। प्राचीनकाल से ही भारत में सावन माह का मतलब हरियाली तीज, कजरी तीज, नाग पंचमी जैसे वर्षा ऋतु से जुड़े त्योहारों का वातावरण रहा है। सावन के हर सप्ताह में कोई न कोई ऐसा त्योहार आता है, जिसके साथ तीज शब्द जुड़ा होता है, जो महिलाओं के उत्सव का पर्याय होता है। सावन के महीने को विशेषकर महिलाओं के उल्लास का महीना भी माना जाता है। इसी महीने में सबसे ज्यादा रंग–बिरंगी चूड़ियां खरीदी और पहनी जाती हैं। इसी महीने में पेड़ों पर झूले पड़ते हैं और इसी महीने में बारिश की बूंदों के साथ वर्षागीतों की तान मिलायी जाती है। जब झूले पर झूलती हुई महिलाएं कजरी गीतों का समवेता गान करती हैं तो यह प्रकृति के उल्लास का अनुपम नजारा होता है। इसलिए सावन के महीने को स्त्री उत्सव का अनूठा महीना भी कहा जाता है। वैसे दूसरे महीनों में भी तीज की तिथियां आती हैं, लेकिन दूसरे महीनों में तीज की तिथियां संस्कृति और उल्लास का पर्याय नहीं बनतीं। जैसे हरियाली और कजरी गीत जैसी रंगत किन्हीं भी गीतों में नहीं बनती। जब वर्षा की रिमझिम फुहार गिर रही होती हैं, तब ये गीत अनुपम समा बांधते हैं और सावन के महीने के एक एक दृश्य को कल्पना से भी ज्यादा भावपूर्ण बना देते हैं। झूलों, मेलों और गीतों के इस महीने के प्रभाव से कोई नहीं बच सका। झूला और सावन का जैसा चोली–दामन का रिश्ता है, झूले का वैसा रिश्ता साल के किसी दूसरे महीने के साथ नहीं है। दरअसल, यह प्रकृति के उल्लास का महीना है। सावन के महीने में हर तरफ धरती वर्षा से सराबोर हो जाती है। खेत, वन और सारी सूखी जमीन पानी से लबालब हो जाती है। किसान खरीफ की फसल रोंप चुके होते हैं। घर और प्रकृति में हर तरफ सिर्फ हरे रंग की प्रधानता होती है। जहां तक देखो सिर्फ हरा रंग ही दिखता है। ऐसे वातावरण में जब हर तरफ हरा ही हरा हो, तो लोग सावन को हरियाला मास या हरीतिमा मास भी कह बैठते हैं। दरअसल यह सावन के महीने में प्रकृति के विलक्षण उल्लास का ही प्रतीक है कि जितने धार्मिक उत्सव सावन में होते हैं, किसी और महीने में नहीं होते। यह महीना इंद्रियों को जगा देने वाले वातावरण का मालिक होता है। जब धरती में रिमझिम बारिश की फुहारे गिरती हैं तो धरती से उठती गीली सौंधी सौंधी खुशबू उसकी संतुष्टि की खुशबू से भरी होती है। इस महीने में चारो तरफ मनो हरी चादर तान दी गई होती है। जहां तक नजर जाती है, सिर्फ हरा रंग ही दिखता है, जो आंखों को बहुत भाता है और दिल को उल्लास से भर देता है। इस महीने में जितना संगीत इंसान में वातावरण के उल्लास से फूटता है, उससे कहीं ज्यादा संगीत प्रकृति से स्वयं भी फूटता है। इस महीने में मोर बिना कहे झूम–झूमकर नाचते हैं और मेढक व झींगुर रात–दिन एक–दूसरे के साथ ताल पर ताल मिलाते हुए नई से नई जुगलबंदियां पेश करते हैं। यह ऋतु सभी जीव जंतुओं के प्रजनन का मौसम भी होता है, इसलिए ज्यादातर जीव जंतु इस मौसम में अपनी खुशी और उल्लास से तरह तरह की मधुर ध्वनियां निकालते हैं, जो दूसरे किसी माह में बहुत कम सुनायी पड़ती हैं। सावन के महीने में जितने फूल खिलते हैं, दूसरे मौसम ऐसे कम होते हैं, जब इतने फूल खिलते हों। बरसाती शामों में तली, भुनी चीजों की दावत उड़ाने की जो परंपरा है, वैसी खुशी और दावत की परंपरा बाकी महीनों में बहुत कम देखने को मिलती है। रिमझिम फुहारों के बीच इस महीने में जब शिवालयों से मंत्रोच्चार की ध्वनियां दूर दूर तक गूंजती हैं, तो यह महीना अपने आपमें सबसे अनूठा और सांस्कृतिक उल्लास का महीना बन जाता है। यह महीना धर्म और प्रकृति की लोक संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है।

सुको के सुझाव के साथ पूरे देश में होगी वोटर लिस्ट समीक्षा

प्रेम शर्मा

शीर्ष अदालत ने विशेष गहन पुनरीक्षणपर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान को लेकर भले ही कांग्रेस सहित कुछ विपक्ष दलों की ओर से अभी भी सवाल खड़े किए जा रहे है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के रुख को देखने के बाद चुनाव आयोग अब इस मुहिम को देश भर में छेड़ने की तैयारी में है। वह जल्द इसकी अधिकारिक घोषणा भी कर सकता है। उनमें अगले दो सालों में इसे चरणबद्ध तरीके से सभी राज्यों में लेकर वह जाएगा। जिसकी शुरूआत अगले महीने से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम और केरल सहित पांच राज्यों से हो सकती है। इन सभी राज्यों में अगले साल विधानसभा के चुनाव भी है। आयोग का मानना है कि कोर्ट के दिशा–निर्देशों के बाद उसे इस काम करने में और आसानी होगी। गौरतलब है कि आयोग ने यह मुहिम तब शुरू की, जब कांग्रेस सहित उसके सहयोगी दलों ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार के बाद मतदाता सूची में गड़बडी के बड़े गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद ही चुनाव आयोग ने ठाना था, वह मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाकर ही दम लेगा। बिहार में चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन करवा रहा है। चुनाव आयोग का तर्क है कि इस प्रक्रिया से मतदाता सूची में सुधार किया जा रहा है। यानी वोटर लिस्ट से डुप्लीकेट, मृत लोगों के नाम या फिर ऐसे नाम हटाए जाएंगे जो गलत पते पर दर्ज हैं।विपक्ष का आरोप है कि यह एक साफ–सुथरी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक साजिश है। विपक्ष का दावा है कि इससे लाखों नाम हटाए जा रहे हैं। जो खघसकर एक समुदाय और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित करेगा। लेकिन मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट और मतदान संबंधी आंकड़ों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था. राहुल गांधी ने इस विषय पर देश के प्रमुख अखबारों में लेख लिखा था। बहरहाल आधार और राशन कार्ड को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से बाहर रखने के कारण बड़ी आबादी के सामने संकट खड़ा हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, केवल किशनगंज जिले में एक हफ्ते के भीतर निवास प्रमाण पत्र के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। कई जगह घर–घर जाकर गणना प्रपत्र बांट रहे कर्मियों ने लोगों से कहा है कि वे आधारकार्ड की कॉपी ही जमा करा दें। इस तरह के कंफ्यूजन से बेहतर है, आयोग बीच का रास्ता निकाले।

शीर्ष अदालत ने विशेष गहन पुनरीक्षणपर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह टाइमिंग भी है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है और लोकतंत्र में सबसे अहम है। लेकिन, चुनाव आयोग की मौजूदा प्रक्रिया में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। यह रिवीजन जुड़ा है वोटर लिस्ट से, लेकिन मेसेज जा रहा है कि इससे नागरिकता तय होगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से राहत मिलेगी कि निर्वाचन आयोग का किसी व्यक्ति की नागरिकता से कोई लेना–देना नहीं। यह मामला केवल बिहार तक सीमित रहने वाला नहीं है। दूसरे राज्यों में वोटर लिस्ट की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में जनता की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है।

रहस्य भी कम नहीं नागा साधुओं की दुनिया में

सुमन बाजपेयी

एक रहस्य, एक कौतूहल, एक अचंभाकृन जाने कितने प्रश्न उठ खड़े होते हैं जब बात नागा साधुओं की आती है। देश में जब–जब कुंभ और अर्द्ध कुंभ मेला लगता है, तब–तब नागा साधुओं के दर्शन होते हैं। सदियों से नागा साधुओं को आस्था के साथ–साथ हैरत और रहस्य की दृष्टि से देखा जाता रहा है। लंबी जटाओं और कपड़ों के नाम पर पूरे शरीर पर भस्म लगाए निर्वस्त्र रहने वाले इन नागा साधुओं का बाहरी दुनिया से कोई लेना–देना नहीं होता। इनकी जिंदगी कठिनाइयों से भरी होती है जिसके बारे में आम इंसान कल्पना भी नहीं कर सकता। किसी गुफा में ध्यान लगाए बहुत कठोर व अनुशासित जीवन जीने वाले नागा साधु सुख–दुःख से परे होते हैं। नागा साधुओं का हमारे देश में, हमारी संस्कृति में, हमारी परंपराओं में क्या योगदान है, इससे लोग अनभिज्ञ हैं और उनके विचित्र रूप को देख वे उनके बारे में धारणाएं बनाते हैं। लेकिन नागा साधु परम सत्य हैं, उनसे बड़ा सत्य ब्रह्मांड में कोई नहीं। इस बार 144 साल बाद हुए महाकुंभ में जितनी चर्चा इस मेले की हुई, उतनी ही जिज्ञासा लोगों में नागा साधुओं के प्रति देखने को मिली, जो हजारों की संख्या में वहां मौजूद थे। महाकुंभ, अर्धकुंभ या फिर सिंहस्थ कुंभ में ही नागा साधुओं का हुजूम जुड़ता है और कुंभ खत्म होते ही रातों–रात वे गायब हो जाते हैं। सब सोचते हैं कि न जाने ये कहां चले जाते हैं। ये कहां से आते हैं, किसी को नहीं पता३ बस एक भीड़ का सैलाब उमड़ता है और लहरों के शांत होते ही वे न जाने कहां अदृश्य हो जाते हैं। कुंभ के समाप्त होने के बाद अधिकतर साधु अपने शरीर पर भभूत लपेट कर हिमालय की चोटियों के बीच चले जाते हैं। वहां ये अपने गुरु स्थान पर अगले कुंभ तक कठोर तप करते हैं जिस दौरान ये फल–फूल खाकर ही जीवित रहते हैं। सालों तक कठोर तप के कारण उनके बाल कई मीटर लंबे हो जाते हैं। ये तप तभी संपन्न होता है, जब ये कुंभ मेले के दौरान गंगा में डुबकी लगाते हैं।नागा साधु कभी भी दिन में नहीं चलते, क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार और समझ नहीं पाता है। फिर भी नागा साधुओं को देख कर सभी के मन में उनके बारे में जिज्ञासा का जन्म अवश्य होता है। शृंगार किये हुए नागा साधु जब महाकुंभ के समय लाखों की संख्या में नजर आते हैं तो इनके बारे में जानने का ख्याल सभी के मन में आता है। कुंभ के दौरान ये साधु अचानक रहस्यवाद का प्रतीक बन जाते हैं। परंपरागत रूप से नागा साधु का जीवन ध्यान, तपस्या और त्याग से युक्त है, और केवल कुंभ के दौरान ही वे सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं। नाचते–गाते, उछलते–कूदते, डमरू–डफली बजाते, त्रिशूल, चिमटा उठाए नागा साधुओं का जीवन आज इंसान के लिए एक अनसुलझा रहस्य है। वे सत्य हैं, आत्मा रूप हैं और आत्मा के ऊपर वस्त्र नहीं होता है। उनका शरीर ही वस्त्र है, क्योंकि वे आत्मा हैं। इसलिए वे वस्त्र नहीं पहनते हैं। लोग नागा साधुओं को समझ नहीं पाते, वे अपने शरीर पर धूल–मिट्टी लपेटते हैं, रुद्राक्ष धारण करते हैं। वे जो भस्म लगाते हैं वह मुर्दे की होती है और अगर वह न मिले तो हवन की भभूत लगाते हैं। माना जाता है कि जो नागा बनता है वह इस संसार से मुक्त हो जाता है। संसार में रहते हुए भी वह संसार का हिस्सा नहीं होता। नागा को शिव का अवतार माना गया है। विडंबना तो यह है कि हमारी पाठ्यपुस्तकों में ,नागा साधुओं ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए जो किया, उसका जिक्र कहीं देखने को नहीं मिलता। दिलचस्प यह कि हमारे इतिहासकारों ने उन्हें बेशक महत्व न दिया हो, पर मेगस्थनीज, जो यूनान का राजदूत था और चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था, ने नागा साधुओं का वर्णन करते हुए उस दौरान लिखा था, 'भारत में ब्राह्मणों या नागा साधुओं का एक दार्शनिक संप्रदाय है, जो स्वतंत्र जीवन व्यतीत करता है तथा मांस और पके भोजन से परहेज करता है और केवल फलाहार करके रहता है। पूरा जीवन भी नग्न रहकर बिताता है तथा कहता है कि ईश्वर ने शरीर आत्मा को ढकने के लिए दिया है। उनका मानना है कि ईश्वर प्रकाश है, लेकिन सूर्य अथवा अग्नि की तरह नहीं जिसे हम आंखों से देखते हैं, किंतु ईश्वर से उनका तात्पर्य तर्कपूर्ण प्रवचन से है जिसके द्वारा बुद्धिमान लोग जीवन के गूढ़ रहस्य को पहचानते हैं। वे देवता का नाम आदर के साथ उच्चारित करते हैं तथा मंत्रों के साथ उसकी पूजा करते हैं। ये नग्न रहकर जीवन व्यतीत करते हैं। जाड़ों में खुले आकाश के नीचे धूप में किंतु ग्रीष्म ऋतु में जब सूर्य बहुत तपने लगता है, वे आर्द्र स्थानों में पेड़ों के नीचे रहते हैं।' अधिकतम लोग नहीं जानते कि नागा साधु हिंदू धर्म की रक्षा करने वाली ऐसी पवित्र पैदल सेना है जो इसके लिए कोई धन नहीं लेती। चाहे इस्लामिक आक्रांताओं की बात हो या फिर अंग्रेज साम्राज्यवादियों की, नागा साधु अपने 'हिंदू धर्म' की रक्षा के लिए सदा तत्पर रहे हैं। धर्म की रक्षा करना ये अपना सौभाग्य समझते हैं, पर समाज ने उनके बलिदान को कभी न याद रखा, न ही कृतज्ञ है। नागा साधुओं की परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है। इस परंपरा के चिह्न हमें मोहनजोदड़ो के सिक्कों और तस्वीरों में मिलते हैं जहां नागा साधु पशुपति नाथ के रूप में भगवान शिव की पूजा करते हुए मिलते हैं। कहा जाता है सिकंदर और उसके सिपाही जब भारत आए थे तब उनकी मुलाकात नागा साधुओं से हुई थी। यही नहीं, नागा साधुओं की तपस्या और मातृभूमि के प्रति समर्पण से भगवान बुद्ध और भगवान महावीर भी काफी प्रभावित थे। भारतीय सनातन धर्म के वर्तमान स्वरूप की नींव आदिगुरू शंकराचार्य ने रखी थी। शंकर का जन्म आठवीं शताब्दी के मध्य में हुआ था जब भारतीय जनमानस की दशा–दिशा बहुत बेहतर नहीं थी। भारत की धन संपदा से खिंचे आक्रमणकारी यहां आ रहे थे। कुछ उसके खजाने को अपने साथ वापस ले गए तो कुछ भारत की दिव्य आभा से मोहित होकर यहीं बस गए। सामान्य शांति–व्यवस्था बाधित थी। ईश्वर, धर्म, धर्मशास्त्रों को तर्क, शस्त्र और शास्त्र सभी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में शंकराचार्य ने सनातन धर्म की स्थापना के लिए कई कदम उठाए जिनमें से एक था देश के चार कोनों पर चार पीठों का निर्माण करना। आदिगुरू ने मठों–मंदिरों की संपत्ति को लूटने वालों और श्रद्धालुओं को सताने वालों का मुकाबला करने के लिए सनातन धर्म के विभिन्न संप्रदायों की सशस्त्र शाखाओं के रूप में अखाड़ों की स्थापना की शुरुआत की।आदिगुरु शंकराचार्य को लगने लगा था सामाजिक उथल–पुथल के उस युग में केवल आध्यात्मिक शक्ति से ही इन चुनौतियों का मुकाबला करना काफी नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि युवा साधु व्यायाम करके अपने शरीर को सुदृढ़ बनाएं और हथियार चलाने में भी कुशलता हासिल करें। ऐसे मठ बने जहां इस तरह के व्यायाम या शस्त्र संचालन का अभ्यास कराया जाता था, जिन्हें कालांतर में अखाड़ा कहा जाने लगा। शंकराचार्य ने अखाड़ों को सुझाव दिया कि मठ, मंदिरों और श्रद्धालुओं की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर शक्ति का प्रयोग करें। बाह्य आक्रमणों के उस दौर में इन अखाड़ों ने एक सुरक्षा कवच का काम किया। कई बार स्थानीय राजा–महाराजा विदेशी आक्रमण की स्थिति में नागा योद्धा साधुओं का सहयोग लिया करते थे। इतिहास में ऐसे कई गौरवपूर्ण युद्धों का वर्णन मिलता है जिनमें चालीस हजार से ज्यादा नागा योद्धाओं ने हिस्सा लिया।

मां

चुपचाप सब कुछ सहती रही,
हस्ती रही और कहती रही,
मैं ठीक हूं चिंता मत कर ,
पर भीतर कुछ कहती रही।
नींदें बेचौन थी रातों की ,
आंखों में एक सवाल था
कभी अपनों की बेरुखी थी,
कभी खुद से ही सवाल था।
फिर भी हर सुबह उठती थी,
उम्मीदों का दीप जलाकर,
टूटे सपनों की राख में,
कुछ नया फूल उगाकर।
कभी मां बनकर थाम लिया ,
कभी दोस्त बनकर सहारा दिया,
खुद बिखरती रही रोज मगर ,
हर किसी को किनारा दिया।

कवयित्री: साबाना खान
(असम)

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करे चुनाव आयोग- अवैध घुसपैठियों के खिलाफ भी हो कड़ी कार्रवाई

संतोष कुमार पाठक

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर,उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान–ैप्‍ के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लंबी सुनवाई करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जरूरी मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करे। देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कई अहम मुद्दों पर जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है। यानी चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया यह विशेष अभियान चलता रहेगा। लेकिन अदालत ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर बिहार के आम मतदाताओं की मुश्किलों को भी आसान करने का प्रयास किया है। इससे पूरी प्रक्रिया आसान होगी और वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह की आशंकाएं पैदा हो रही है, उसे भी कम करने में मदद मिलेगी। दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर, उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। चुनाव आयोग किसी भी मतदाता से उसका मताधिकार कतई नहीं छीन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बिहार सहित पूरे देश में आधार कार्ड को जिस तरह से बाकी सभी कार्डों, बैंक खातों और सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है, उसके बाद आधार कार्ड को पूरी तरह से खारिज करने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। बिहार में कई जिलों में इस अभियान के तहत आधार कार्ड को स्वीकार किया जा रहा था और कई जिलों में नहीं किया जा रहा था, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में यह बहुत जरूरी माना जा रहा था कि चुनाव आयोग कोई बीच का रास्ता निकाले। सुप्रीम कोर्ट ने भले ही ैप्‍ पर रोक नहीं लगाई हो लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल पूछे हैं, उससे चुनाव आयोग की इस पूरी कवायद पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव और चुनाव आयोग के इस अभियान को लेकर सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे। हालांकि जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने साफ–साफ कहा कि वे संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। यह मामला केवल बिहार तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा कैसे होगी, यह बिहार के मॉडल पर निर्भर करेगा इसलिए सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें बनी रहेंगी। हालांकि यह भी एक कड़वा सच है कि बिहार सहित देश के कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों की भरमार हो गई है। भारत 70 के दशक से ही बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों से त्रस्त रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान म्यामांर से भी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ देश में बढ़ती जा रही है। देश के कई जिलों में इन अवैध घुसपैठियों की वजह से हालात काफी भयावह हो गए हैं,इसे नकारा नहीं जा सकता है। बिहार के भी कई जिले, अवैध घुसपैठियों से भरे पड़े हैं, इस सच्चाई को भी खारिज नहीं किया जा सकता। कहा जाता है कि बिहार के सीमांचल इलाकों में अवैध घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार का हर जिला बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से पीड़ित है। बिहार के मिथिलांचल इलाके में भी अवैध घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन इस समस्या का समाधान कर पाना चुनाव आयोग के वश में नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को विभिन्न एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा। एक तरफ सीमा से होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोकना होगा, दूसरी तरफ सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक ढांचे को भ्रष्टाचार मुक्त और चुस्त–दुरुस्त बनाना होगा। इसके साथ ही देश में घुस चुके घुसपैठियों को देश से हर कीमत पर बाहर भगाने के लिए भी एक व्यापक अभियान चलाना होगा। यह समय की मांग है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर भगाने के लिए जल्द से जल्द इस तरह का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया जाए।

क्या आप जानते हैं दिग्गज अभिनेत्री बी सरोजा देवी ने किसके साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था ?

दिग्गज दक्षिण भारतीय अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का यहां सोमवार को निधन हो गया। फिल्म जगह के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 87 वर्ष की थीं। सूत्रों के अनुसार, बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित आवास पर उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। तमिल में उन्हें प्यार से 'कन्नड़तु पैंगिली' (कन्नड़ का तोता) कहा जाता था। सरोजा देवी ने 17 साल की उम्र में कन्नड़ फिल्म 'महाकवि कालिदास' (1955) से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। अदाकारा को कन्नड़ सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार के रूप में भी जाना जाता है। पहली ही फिल्म में अपने अभिनय के लिए अभिनेत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। एक अन्य दिग्गज अभिनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. जी. रामचंद्रन के साथ उनकी तमिल फिल्म 'नादोडी मन्नान' (1958) ने उन्हें तमिल सिनेमा की शीर्ष अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। वर्ष 1967 में शादी के बाद भी सरोजा देवी की खासकर तमिल फिल्म उद्योग में मांग बनी रही। उन्हें 'अभिनय सरस्वती' भी कहा जाता था।

सरोजा देवी का बॉलीवुड डेब्यू

बी सरोजा देवी ने 1959 में दिलीप कुमार के साथ फिल्म श्पैगामश से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने श्ससुरालश, श्प्यार किया तो डरना क्याश और श्बेटी बेटेश जैसी हिंदी फिल्में कीं। अपने हिंदी फिल्मी करियर में उन्होंने दिलीप कुमार के अलावा राज कपूर, शम्मी कपूर और सुनील दत्त जैसे बॉलीवुड सितारों के साथ भी काम किया। बी सरोजा देवी उन गिनी–चुनी अभिनेत्रियों में से एक हैं जिन्होंने 1950 के दशक में कन्नड़, तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। फिल्म श्नादोदी मन्नानश की जबरदस्त सफलता के बाद, बी सरोजा देवी को कन्नड़ सिनेमा में अन्य अभिनेताओं के साथ काम करना शुरू कर दिया गया और उन्होंने दर्जनों हिट फिल्में दीं। वह एमजी

> सरोजा देवी ने १७ साल की उम्र में कन्नड़ फिल्म 'महाकवि कालिदास' (१९५५) से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। अदाकारा को कन्नड़ सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार के रूप में भी जाना जाता है। पहली ही फिल्म में अपने अभिनय के लिए

रामचंद्रन के लिए एक भाग्यशाली शुभंकर थीं। अभिनेत्री ने उनके साथ 26 फिल्मों में काम किया।

निजी जीवन

अंतिम अभिनेत्री का विवाह 1 मार्च, 1967 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी) में इंजीनियर श्री हर्ष से हुआ था। उस समय सरोजा आर्थिक तंगी से गुज़र रही थीं और आयकर संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अपने पति की मदद से, वह इन समस्याओं से उबर पाईं और अपने वित्तीय प्रबंधन का तरीका सीखा। मलेशियाई कंपनी वीएमटी एंटरप्राइज में अपने निवेश से उन्हें भारी नुकसान हुआ। अपनी शादी के बाद, श्री हर्ष ने सरोजा देवी के अभिनय करियर को सहारा दिया। एक साक्षात्कार के दौरान, सरोजा से पूछा गया कि 1967 के बाद अपनी माँ के लगातार अभिनय छोड़ने के आग्रह के बावजूद उन्होंने अभिनय कैसे जारी रखा। अभिनेत्री ने कहा, षदिलीप कुमार ने एक बार कहा था कि उन्होंने सायरा बानो से अभिनय न छोड़ने के लिए कहा था।ष यह किस्सा राजेश खन्ना ने मेरे पति श्री हर्ष से कहा था कि वे मुझे अभिनय करने से न रोकें। श्री हर्ष का 1986 में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन हो गया। और आज, बी सरोजा देवी ने बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित मणिपाल अस्पताल में अंतिम सांस ली।

अब्दू रोजिक की गिरफ्तारी की खबरों पर आया टीम का बयान, कहा– हिरासत में लिया गया था, अरेस्ट नहीं

बिग बॉस 16' फेम और सोशल मीडिया के चर्चित चेहरों में से एक अब्दू रोजिक एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से फैली कि उन्हें दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। इस खबर ने उनके फैंस को चिंता में डाल दिया था। लेकिन अब अब्दू की टीम ने इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है और सच्चाई कुछ और ही बताई है। तो आइए जानते हैं। अब्दू रोजिक की मैनेजमेंट टीम एस–लाइन प्रोजेक्ट ने मीडिया में चल रही खबरों को गलत बताया और स्पष्ट किया कि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था, बल्कि कुछ सवालों के सिलसिले में अस्थायी रूप से हिरासत में लिया गया था और बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, टीम ने कहा "सबसे पहले, हम यह साफ करना चाहते हैं कि अब्दू रोजिक को अरेस्ट नहीं किया गया था। उन्हें कुछ कारणों से हिरासत में लिया गया था, जहां उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया और उसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।अब्दू की टीम ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया और कुछ मीडिया चौनलों पर जो बातें सामने आई हैं, वे आधिकारिक रूप से सत्य नहीं हैं। कृपया इस तरह की गलत खबरों पर विश्वास न करें। जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वे पूरी सच्चाई को नहीं दर्शाते। इस मुद्दे पर हमारे पास कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन समय आने पर हम स्थिति को और बेहतर तरीके से स्पष्ट करेंगे।" बता दें कि जिन रिपोर्ट्स में अब्दू पर चोरी के आरोप लगाए जा रहे थे, उनमें यह स्पष्ट नहीं था कि चोरी किस चीज की हुई है या मामला क्या था। ऐसे में टीम की सफाई के बाद यह साफ हो गया है कि यह गिरफ्तारी की खबरें महज अफवाह थीं। ताजिकिस्तान से ताल्लुक रखने वाले अब्दू रोजिक ने 'बिग बॉस 16' में हिस्सा लेकर भारतीय दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। उनका मासूम चेहरा, क्यूट अंदाज और मजाकिया अंदाज लोगों के दिलों को छू गया था। आज अब्दू भारत के युवाओं के बीच एक बड़ा सोशल मीडिया आइकन बन चुके हैं। उनके इंस्टाग्राम रील्स और वीडियोज अक्सर वायरल होते रहते हैं।

10 महीनों की बच्ची को घर छोड़ एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं दीपिका पादुकोण

ओवरसाइज्ड शर्ट में दिखा दुआ की मम्मी का स्टाइलिश लुक

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार दीपिका पादुकोण मां बनने के बाद बहुत ही कम पब्लिक इवेंट्स और स्पॉटिंग्स देखा गया। वहीं, अब हाल ही में काफी दिनों बाद न्यू मॉम को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उनका बेहद कूल और स्टाइलिश लुक देखने को मिला। दीपिका की ये तस्वीरें जैसे ही सोशल मीडिया पर सामने आईं, फैंस के बीच आग की तरह वायरल हो गईं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। दीपिका जैसे ही अपनी कार से उतरीं, पैपराजी फोटोज के लिए उनके पीछे पड़ गए। इस दौरान एक्ट्रेस ने कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए पोज दिए और बेहद कूल अंदाज में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने ओवरसाइज्ड ब्लू शर्ट के साथ स्लिम फिट डेनिम पहनी थी। सिंपल पोनीटेल, हल्का मेकअप और स्टाइलिश ब्लैक सनग्लासेस उनके लुक को और भी खास बना रहे थे। हालांकि, लोगों की नजरें उनके पति रणवीर सिंह और 10 महीने की बेटी दुआ को भी ढूंढती रहीं, लेकिन वो दोनों इस मौके पर दीपिका के साथ नजर नहीं आए। बता दें, दीपिका और रणवीर ने सितंबर 2024 में अपने पहले बच्चे, बेटी दुआ का स्वागत किया था। तब से दीपिका ने खुद को फिल्मों से दूर रखा और पूरी तरह से अपने परिवार पर ध्यान दे रही हैं। कई दिनों से खबरें आ रही हैं कि दीपिका जल्द ही साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ एक फिल्म में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह फिल्म मशहूर निर्देशक एटली बना रहे हैं।

बिना इजाजत कुशाल टंडन के घर में घुसा अंजान शख्स, एक्टर को चढ़ा तेवर, कहा–प्लीज मेरी प्राइवेसी का सम्मान करें

टीवी के पॉपुलर एक्टर कुशाल टंडन पिछले दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में थे। वहीं, अब एक्टर एक नई वजह को लेकर खबरों में आ गए हैं। दरअसल, हाल ही में कुशाल के घर एक अंजान शख्स घुस आया, जिससे एक्टर काफी चिंता में दिखे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इस बारे में जानकारी दी और अपने फैंस को आगाह किया। कुशाल टंडन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट करते हुए लिखा– हेलो, सभी को३ आज कुछ ऐसा हुआ है, जिसके बारे में मुझे बात करनी है। एक्टर ने लिखा– मैं जब बाहर था, तो एक पैन बिना परमिशन के मेरे घर में घुस गया। मैं क्लियर करना चाहता हूं कि ये बिल्कुल ठीक नहीं है। अब मेरे पेरेंट्स भी साथ रहते हैं और उनकी सुरक्षा और शांति किसी भी चीज ये ज्यादा मायने रखती है। मैं उनके प्यार को समझता हूं और उनके सपोर्ट के लिए आभारी हूं, लेकिन इस तरह प्राइवेसी को क्रॉस करना परेशान करता है। प्लीज मेरी प्राइवेसी और जगह का सम्मान करें, खासकर तब जब मेरी फैमिली साथ रह रही है। प्यार को कायम रखते हैं, लेकिन आपसी सम्मान और समझ के साथ। मुझे समझने केलिए थैंक्स– कुशाल। बता दें, कुशाल टंडन ने पिछले दिनों शिवांगी जोशी संग ब्रेकअप हो गया था। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी थी। हालांकि, उन्होंने अपने ब्रेकअप के पीछे कोई वजह नहीं बताई थी।

कोटा श्रीनिवास राव को अंतिम विदाई देने पहुंचे मेगास्टार चिरंजीवी, अल्लू अर्जुन के पिता बोले– उनका जाना हमारे परिवार के लिए लॉस

साउथ इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर और नेता कोटा श्रीनिवास राव अब इस दुनिया में नहीं रहे। एक्टर का रविवार को 83 साल की उम्र में निधन हो गया। वे काफी समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। जैसे ही कोटा के निधन की खबर सोशल मीडिया पर सामने आई, तो उनके फैंस और करीबियों के बीच शोक की

लहर दौड़ गई। वहीं, अब इंडस्ट्री से जुड़े सितारे कोटा श्रीनिवास को अंतिम विदाई देने पहुंच रहे हैं। एक्टर चिरंजीवी, पवन कल्याण, प्रकाश राज और अल्लू अर्जुन के पिता कोटा श्रीनिवास के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। एक्टर को अंतिम विवाई देने पहुंचे अल्लू अर्जुन के पिता ने कहा कि कोटा का जाना उनके परिवार के लिए एक नुकसान है। कोटा श्रीनिवास राव हमारे परिवार के बहुत करीब थे। मुझे उनके साथ समय बिताना बहुत पसंद था क्योंकि वह बहुत हंसमुख इंसान थे। उनका जाना एक तरह से हमारे परिवार के लिए भी लॉस है। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं, कोटा के अंतिम संस्कार में पहुंचे मेगास्टार चिरंजीवी ने भावुक नोट शेयर कर लिखा प्राणम खरीदू के साथ हमने उन्होंने और मैंने एक ही समय में अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने सैकड़ों फिल्मों में अभिनय किया, अनगिनत भूमिकाएं निभाईं, अपनी यूनीक और स्पेशल स्टाइल से तेलुगु दर्शकों का मन मोह लिया और उनके दिलों में एक स्थायी जगह बना ली। उन्होंगे लिखा, कोटा श्रीनिवास राव जैसे अभिनेता के जाने से जो खालीपन पैदा हुआ है, उसे फिल्म इंडस्ट्री और सिनेप्रेमी कभी नहीं भर पाएंगे। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए, मैं उनके परिवार के सदस्यों, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके अलावा विष्णु मंचू समेत तमाम सितारों ने उनके निधन पर शोक जताया। मालूम हो, मेगास्टार चिरंजीवी ने साल 1978 में कोटा के साथ ही अपना फिल्मी करियर शुरू किया था। कोटा श्रीनिवास राव की बात करें तो वे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का एर जाना माना नाम थे। उन्होंने 1978 में फिल्म श्प्राणम खरीदुश से डेब्यू किया था। लगभग 40 साल से भी लंबे अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने 750 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया।

दिल्ली की मशहूर दौलत चाट का स्वाद लेने के लिए घर पर बनाएं यह डिश, सब करेंगे तारीफ

दिल्ली अपने खान–पान के लेकर सबसे ज्यादा फेमस है। दिल्ली के लोग खाने के काफी शौकीन होते हैं। यहां पर मिलने वाली दौलत की चाट काफी लोकप्रिय है। चाट का नाम सुनकर आपके मुंह में पानी आ गया होगा। लेकिन चाट नमकीन होती है यह इसके विपरीत होती है। दौलत की चाट एक पारंपरिक मिठाई है जो कि दूध से तैयार होती है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

दौलत चाट बनाने के लिए सामग्री

– दूध – 2 लीटर
– मलाई – 1 बड़ी कटोरी
– सिरका– 2 टी स्पून
– सूखे मेवे कटे – 1 टेबलस्पून
– केसर– 8–10 धागे
– चीनी पिसी – स्वाद के मुताबिक

दौलत चाट बनाने का तरीका

– दौलत चाट बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में दूध डालें और उसे अच्छी तरह से उबाल लें। इसके बाद दूध को ठंडा होने के लिए रख दें।

– जब दूध ठंडा हो जाए तो उसमें से डेढ़ लीटर दूध में मलाई और सिरका डाल दें। इसके बाद दोनों चीजों को चम्मच से दूध में घोल दें।

– अब दूध को नॉर्मल तापमान पर रातभर के लिए ढककर रख दें। ध्यान रखें कि दूध को फ्रिज में नहीं रखना है।

– अगले दिन दूध को एक गहरे तले वाले बर्तन में शिफ्ट करें और दूध को मथनी की मदद से फेटें। फेंटने के दौरान जो झाग बनेगा उसे निकालकर एक अलग बर्तन नें रखते जाएं।

– इस प्रक्रिया को कई बार दोहराते रहे और फेना जमा करते रहे। अब बचा हुआ आधा लीटर दूध लें और उसमें केसर डालकर फेटें और बनने वाले फेन को एक अन्य बर्तन में रखते जाएं। दौलत की चाट तैयार।

– सर्व करने के लिए सबसे पहले बिना केसर वाला फेन बाउल में डालें। इसके ऊपर केसर वाला फेन रखें। ऊपर से ड्राई फ्रूट्स और चीनी पाउडर डालकर चांदी के वर्क से सजा सकते हैं।

नाक पर मौजूद ब्लैकहेड्स को नेचुरल तरीके से करें रिमूव, घर पर आजमाएं ये सिंपल टिप्स

हम सभी अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाना चाहते हैं। जिसके लिए हम तरह–तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके बाद भी नाक पर ब्लैकहेड्स हो जाते हैं। बता दें कि आमतौर पर जिन लोगों की स्किन पोर्स बड़े होते हैं, उनको इस समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार ब्लैकहेड्स को रिमूव करने के लिए मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट से भी यह रिमूव नहीं होते हैं। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से नाक पर मौजूद ब्लैकहेड्स को आसानी से रिमूव कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ नेचुरल स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं, इस स्क्रब को आप किचन में मौजूद कुछ चीजों की मदद से बना सकते हैं और आसानी से ब्लैकहेड्स को रिमूव कर सकते हैं। क्योंकि अगर आप लंबे समय तक ब्लैकहेड्स को रिमूव नहीं करते हैं, तो इससे आपकी त्वचा बंप्स और पिंपल्स की समस्या हो सकती हैं।

वॉलनट स्क्रब की सामग्री

1 छोटा चम्मच अखरोट के छिलके का पाउडर
1 छोटा चम्मच शहद

विधि : अधिकतर लोग अखरोट के छिलको को फेंक देते हैं। लेकिन आपको बता दें कि अखरोट के यह छिलके आपके बहुत काम के हैं। इन छिलको को पीसकर पाउडर बना लें और फिर इस पाउडर को शहद में मिक्स कर नाक पर हल्के हाथों से रब करें। दो मिनट तक रब करने के बाद फेस को धो लें। इसके बाद नाक और उसके आस–पास के हिस्से को कॉटन के मुलायम कपड़े से दबाएं। ऐसा करने से ब्लैकहेड्स आसानी से रिमूव हो जाएंगे। ध्यान रहे कि आपको बहुत तेज स्क्रब नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे आपके नाक पर स्क्रैच आ सकते हैं।

सूजी स्क्रब की सामग्री

सूजी– 1 छोटा चम्मच
दही– 1 छोटा चम्मच

विधिः सूजी स्क्रब बनाने के लिए सूजी और दही को एकसाथ मिक्स कर लें और इससे अपनी नाक पर रब करें। 2–3 मिनट तक नाक पर इस स्क्रब को रब करने के बाद फेस वॉश कर लें। दही एक नेचुरल स्किन एक्सफोलिएटर होता है। इस स्क्रब का इस्तेमाल करने से डेड स्किन भी रिमूव हो जाएगी। लेकिन अगर आपकी त्वचा ड्राई है, तो आपको दही की जगह मलाई का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि अगर आप दही का इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा ज्यादा ड्राई हो सकती है।

कॉफी स्क्रब की सामग्री

कॉफी पाउडर– 1 छोटा चम्मच
एलोवेरा जेल– 1 छोटा चम्मच

विधि : सबसे पहले एलोवेरा जेल में कॉफी पाउडर मिक्स करें और इससे नाक को स्क्रब करें। अब 2–3 मिनट तक स्क्रब कर नाक के ब्लैकहेड्स को साफ करें। फिर गर्म पानी में कॉटन बॉल्स को डिप करके नाक पर रखें। इसके बाद नाक की त्वचा को दबा दबाकर कॉटन के कपड़े से ब्लैकहेड्स को रिमूव कर सकती हैं।

मानसून में इम्यूनिटी मजबूत करेंगे ये 5 सूप, बीमारियों को होगा जड़ से खात्मा

मानसून के मौसम ने दस्तक दे दी है। इस मौसम में इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण वायरल इंफेक्शन्स का खतरा भी बढ़ जाता है। खांसी, जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं होने लग जाती हैं। मौसमी वायरल से बचने के लिए आपको अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको सूप अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। सूप आसानी से पच जाते हैं और इससे आपके शरीर को कई पोषक तत्व भी मिलते हैं। पेट के लिए भी सूप बहुत ही फायदेमंद होते हैं। सब्जी, मीट, फल और कई तरह के सूप का सेवन आप कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि आप कैसे सूप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

सूप पीने के फायदे

सूप के एक कटोरे में फाइटोकेमिकल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आप अपनी मनपसंदीदा सब्जियों को मिलाकर सूप तैयार कर सकते हैं। स्वाद और पोषण के लिए आप इसमें जड़ी बूटियों को भी शामिल कर सकते हैं।

मूंग दाल–कीवी और नारियल सूप

आप मूंग दाल–कीवी और नारियल से बने सूप का सेवन कर सकते हैं। इसमें पाया जाने वाले प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। मूंग दाल में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। आप इसे एक अच्छे मील के तौर पर ले सकते हैं। आप मूंग दाल का एक प्याला ऐसे ही पी सकते हैं। सूप को ओर भी रिच बनाने के लि आप इसमें सब्जियां भी मिला सकते हैं। कीवी में विटामिन सी पाया जाता है जो स्वादिष्ट होने के साथ–साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

कार्न और फूलगोभी सूप

फूलगोभी को फाइबर का बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है, यह आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करती है। कार्न के साथ मिलाकर इसका सेवन करने से पोषक तत्व और भी ज्यादा बड़ जाते हैं। आप फूल गोभी और कार्न को उबालकर इसमें अपनी मनपसंदीदा सॉस मिलाकर पी सकते हैं। यह सूप वजन कम करने में भी बहुत ही मददगार है।

सी फूड से बना सूप

आप समुद्री भोजन से बने सूप का भी सेवन कर सकते हैं। आप झींगा, समुद्री बास और स्क्विड जैसी चीजों को शामिल करके सूप तैयार कर सकते हैं। झींगा प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसमें पाए जाने वाला जिंक आपके शरीर को एंटीऑक्सीडेंट देता है। सीफूड प्रोटीन का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत होते हैं। इसके अलावा इनमें ओमेगा–3 फैटी एसिड आपके हृदय और इम्यूनिटी के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है।

मिक्सड वेज सूप

आप बरसाती मौसम में गाजर, शिमला मिर्च, मटर, लौकी जैसी सब्जियों को मिलाकर भी सूप तैयार कर सकते हैं। इन सब्जियों को पानी में उबालकर इनमें प्याज, लहसुन, तेजपत्ता और लौंग मिलाकर पीएं। इन सब्जियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व बरसात के मौसम में आपको स्वस्थ रखने में मदद करेंगे। इनका सेवन करने से आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होगा।

टमाटर का सूप

टमाटर में विटामिन–ए, विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं। इससे बने सूप का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र भी मजबूत होता है और खाना भी आसानी से पच जाता है। इसके अलावा यह सूप आपको एनर्जी देने में भी सहायता करता है। टमाटर में पाया जाने वाले लाइकोपीन नाम को तत्व त्वचा के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। यह सूप आपके स्वास्थ्य के साथ–साथ त्वचा के लिए भी लाभदायक होता है।

पालक का सूप

पालक में भी भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। इसमें पाए जाने वाले गुण आपके कई तरह की बीमारियों से बचाव करने में मदद करते हैं। पालक में फाइबर और कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह पोषक तत्व आपके पेट के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा यह आपकी इम्यूनिटी मजबूत करने में भी मदद करते हैं।

मानसून में फैलने वाले डेंगू की रोकथाम में बेहद असरदार हैं ये 5 घरेलू उपाय

मानसून में डेंगू सबसे ज्यादा फैलने वाली बेहद खतरनाक बीमारी हैं। एक्सपर्ट के अनुसार यह एक वायरस है जो एडिस मच्छर के काटने से व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। बारिश के मौसम में डेंगू बुखार जनस्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण खतरे का कारण बन जाता है। मानसून में कुछ इलाको में पानी का जमाव के कारण डेंगू मच्छर पैदा होते है जिसके फलस्वरुप डेंगू जैसी खतरनाक बीमारी का खतरा लोगो में बढ़ जाता हैं। इसे आमतौर पर हड्डी तोड़ बुखार के रूप में भी जाना जाता है, यह एक फ्लू जैसी बीमारी है, जो डेंगू वायरस के कारण होती है। आइए हम आज आपको बताएंगे इससे बचाव और रोकथाम के कुछ घरेलू उपाय।

डेंगू बुखार के लक्षण–

अचानक तेज बुखार
गंभीर सिरदर्द
जोड़ों और मांसपेशियों में गंभीर दर्द
आँखों में दर्द
सूजी हुई लिम्फ ग्रंथियां
जी मिचलाना
उल्टी करना
थकान

डेंगू बुखार की रोकथाम कैसे करें ?

डेंगू बुखार को रोकने का सबसे अच्छा तरीका संक्रमित मच्छरों के काटने से बचना है। खुद को मच्छरों के काटने बचाने के लिए–

मच्छरदानी का प्रयोग करें, यहाँ तक कि घर के अंदर भी।

जब बाहर हों, तो लंबी बाजू की शर्ट और मोजे पहनें।

घर के अंदर, हो सके तो एयर कंडीशनिंग का उपयोग करें।

घर के साथ–साथ विंडो और डोर पर समय–समय कीटनाशक स्प्रे करते रहें।

अगर आपको डेंगू के लक्षण हैं, तो अपने डॉक्टर से सलाह पर उपचार जरुर लें।

मच्छरों की आबादी को कम करने के लिए उन जगहों से छुटकारा पाएं जहां मच्छर पनप सकते हैं। पालतू जानवरों के पानी के व्यंजनों में नियमित रूप से पानी बदलें, बाल्टियों से स्थिर पानी को भी समय–समय पर खाली करते रहे।

डेंगू के घरेलू उपाय

नारियल पानी

डेंगू बुखार से राहत पाने के लिए ज्यादा से ज्यादा नारियल पानी का सेवन करें क्योंकि इसमें मौजूद पौषक तत्व शरीर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

तुलसी

तुलसी में मौजुद एंटीबैयोटिक गुण के कारण इसके पत्तो को पानी में उबाल कर पीने से भी डेंगू से छुटकारा पाया जा सकता हैं।

मेथी की पत्तियां

पानी में मेथी की पत्तिया उबालकर चाय बनाकर पीने से भी डेंगू वायरस से छुटकारा पाया जा सकता हैं।

पपीते के पत्ते

पपीते के पत्ते भी डेंगू बुखार को दूर करने में काफी मददगार हैं। इसमे मौजूद पपेन शरीर की पाचन शक्ति मजबूत करता हैं और साथ ही प्लेटलैट्स की मात्रा को भी तेजी से बढ़ाने में मदद करता हैं.

काली मिर्च

काली निर्च का सेवन भी डेंगू की रोकथाम में बेहद असरदार हैं।

काले होंठों से परेशान हैं, तो आजमाएं ये होममेड टिप्स, लिप्स दिखेंगे गुलाबी

त्वचा से अधिक नाजुक हमारी होंठो की स्किन होती है। आमतौर पर लिपस्टिक का इस्तेमाल करने और सही तरीके से पोषण न मिलने के वजह से भी होंठ काले पड़ जाते हैं। इसके लिए आप कई ट्रीटमेंट लें सकते हैं। या फिर आप गुलाबी होंठ के लिए आप घरेलू चीजों की भी सहायता ले सकती हैं। चलिए आपको बताते हैं कैसे होममेड टिप्स के जरिए होंठो को गुलाबी कर सकते हैं।

गुलाबी होंठ पाने के लिए क्या करें

– सबसे पहले एक बाउल में 2 चम्मच गुलाब जल और 1 चम्मच शहद मिला लें।

– इन दिनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद आप ब्रश की मदद से चेहरे पर लगा लें।

– 20 मिनट तक इसे होंठों पर लगा रहने दें।

– आप चाहे तो हल्के हाथों के दबाव से मसाज करें।

– अब पानी और कॉटन की मदद से होंठो को साफ कर लें।

– इसके बाद आप नॉर्मल लिप केयर रूटीन को फॉलो कर सकते हैं।

– इस घरेलू नुस्खे को आप हफ्ते में 3 से 4 बार ट्राई कर सकती है।

लंच से पहले भारत के छह विकेट लेंगे, इंग्लैंड के बैटिंग कोच ट्रेस्कॉथिक की टीम इंडिया को चेतावनी

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेला जा रहा टेस्ट, रोमांचक मोड़ पर है। पांचवें दिन टीम इंडिया को जीत के लिए 135 रन की जरूरत है, जबकि उसके छह विकेट बचे हुए हैं। इसी बीच इंग्लैंड के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेस्कॉथिक ने भारतीय टीम को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि पांचवें दिन पहले सत्र में ही वह भारत के बाकी के छह विकेट गिरा देंगे। टीम इंडिया ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 58 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, कप्तान शुभमन गिल और आकाश दीप पवेलियन लौट चुके हैं। केएल राहुल 33 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि ऋषभ पंत, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर का आना अभी बाकी है। जहां एक तरफ ट्रेस्कॉथिक ने चेतावनी दी है, वहीं दूसरी तरफ सुंदर ने कहा कि भारतीय टीम जीत हासिल कर लेगी। ट्रेस्कॉथिक ने कहा कि इंग्लैंड की टीम 250 से ज्यादा का लक्ष्य रखना चाहती थी। उन्होंने कहा, हम 250 से ज्यादा का स्कोर चाहते थे। पहली पारी में यह अंदाजा लगाना मुश्किल था कि कितना अच्छा स्कोर होगा। हालांकि, हमने पांचवें दिन के लिए कुछ प्लान बना रखे हैं, जिसे हम मैदान पर अमल में लाना चाहते हैं।श ट्रेस्कॉथिक ने शोएब बशीर की अंगुली में लगी चोट के बारे में बात करते हुए कहा, श्बशीर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जरूरत पड़ने पर वह मैदान पर आ सकते हैं। इंग्लैंड के बैटिंग कोच ने कहा कि आखिरी 30 मिनट में दर्शकों से खचाखच भरे दर्शकों ने इंग्लैंड का हौसला बढ़ाया और इससे मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों को मदद मिली। उन्होंने कहा, अगर मुझे पता होता कि कौन जीतेगा, तो मैं थोड़ा निश्चिंत हो जाता। दोनों टीमें जीतने के लिए बेताब हैं। क्रिकेट के चार दिन कमाल के रहे। चौथे दिन आखिरी आधा घंटा कमाल का था। दर्शक टीम के साथ थे और हमें इस तरह की परिस्थितियां पसंद हैं। ट्रेस्कॉथिक ने कहा, मैदान के आसपास की हलचल

ने खिलाड़ियों को वो उम्मीद दी जिसकी उन्हें जरूरत थी। पांचवें दिन के पहले घंटे के खेल पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। हमने तेज गेंदबाजों के लिए उछाल और विविधता देखी है। सीम होती गेंदें बल्लेबाजों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। उम्मीद है कि यह हर जगह सीम करेगी और हम पहले सत्र में छह विकेट हासिल कर लेंगे। पहले चार दिनों में जो कुछ हुआ है, उसे देखते हुए भारतीय बल्लेबाजों को सीम और स्विंग होती गेंदों से सावधान रहना होगा। ट्रेस्कॉथिक का मानना है कि दुनिया भर में फ्रेंचाइजी टूर्नामेंटों के कारण क्रिकेट अधिक दोस्ताना हो गया है और लॉर्ड्स टेस्ट में भारत और मेजबान टीम के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा खेल के लिए सही है। तीसरे टेस्ट के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच जंग देखने को मिली और ट्रेस्कॉथिक का मानना है कि यह खेल के लिए अच्छा है। ट्रेस्कॉथिक ने कहा, श्प्रतिस्पर्धी बने रहने से निश्चित रूप से स्थिति में मदद मिलती है। इससे सीरीज का माहौल अच्छा बनता है। पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट थोड़ा ज्यादा दोस्ताना हो गया है, क्योंकि खिलाड़ी दुनिया भर में फ्रैंचाइजी टूर्नामेंटों में एक साथ खेलते हैं। कभी–कभी खेल में कुछ नया करना अच्छा होता है। दोनों टीमें खेल को लेकर जुनूनी हैं और उनके बीच माहौल गर्म होना स्वाभाविक है, लेकिन दोनों टीमें जानती हैं कि एक सीमा है जिसे आप पार नहीं कर सकते और इसलिए सीरीज का माहौल अच्छा बना हुआ है।

संक्षिप्त

मर्सिडीज बेंज इंडिया की सितंबर से अपने वाहन के दाम एक–डेढ़ प्रतिशत बढ़ाने की योजना

यूरो के मुकाबले रुपये के कमजोर होने की वजह से लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज बेंज इंडिया सितंबर से अपने वाहन के दाम एक से डेढ़ प्रतिशत तक बढ़ाने पर विचार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने यह बात कही है। मर्सिडीज इस साल पहले ही जनवरी और जुलाई में अपने वाहन के दाम बढ़ा चुकी है। अय्यर ने पीटीआई–से बातचीत में कहा, ''सितंबर में यूरो के कारण कीमतों में एक और बढ़ोतरी होने वाली है। अगर आप देखें, तो पिछले एक महीने में यूरो 100 रुपये के स्तर पर बना हुआ है, और इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। इसलिए, हमें सितंबर में भी कीमतों में बढ़ोतरी करनी होगी।'' उन्होंने कहा कि कंपनी वाहन कीमतों में एक से डेढ़ प्रतिशत तक बढ़ोतरी करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कीमतों में बढ़ोतरी से बिक्री प्रभावित हो सकती है, अय्यर ने कहा कि ब्याज दरों में कमी की वजह से खरीदारों के लिए ईएमआई (मासिक किस्त) भुगतान काफी हद तक संतुलित हो रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी की लगभग 80 प्रतिशत नई कारों की बिक्री 'फाइनेंस' के जरिये होती है। अय्यर ने कहा, ''इसलिए, जब आप ईएमआई पर गौर करते हैं, तो हमने उसे वही रखने की कोशिश की है, हालांकि कार की कीमत बढ़ गई है। इससे हमें मूल्यवृद्धि के प्रभाव को काफी हद तक कम करने में मदद मिली है।'' उन्होंने कहा कि बाजार में अब भी मांग है, और अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ लोग लक्जरी कारें खरीदना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि खरीदार समझते हैं कि मुद्रा में उतार–चढ़ाव को देखते हुए, कीमतें कंपनी के नियंत्रण से बाहर हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी को महत्वपूर्ण खनिज चुंबक के कारण उत्पादन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, अय्यर ने कहा, ''अगर आप आपूर्ति श्रृंखला को देखें, तो जहां तक हमारा संबंध है, हम अभी तक इनमें से किसी भी चीज से प्रभावित नहीं हुए हैं, क्योंकि हम इसे अच्छी तरह से प्रबंधित कर रहे हैं। हमारे पास पर्याप्त स्टॉक भी है, इसलिए हम इस स्थिति से निपटने में सक्षम हैं।

देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री अप्रैल–जून में 14 प्रतिशत घटकर 97,674 इकाई

देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री अप्रैल–जून में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत घटकर 97,674 इकाई रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,13,768 इकाई थी। आवासीय 'ब्रोकरेज' कंपनी प्रॉपटाइगर की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में मकानों की बिक्री अप्रैल–जून में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत घटकर 41,901 इकाई रह गई। कीमतों में वृद्धि से उपभोक्ता मांग कम हुई। महाराष्ट्र के दो महत्वपूर्ण संपत्ति बाजारों एमएमआर और पुणे में संयुक्त आवास बिक्री एक वर्ष पूर्व की समान अवधि में 60,191 इकाई थी। अन्य प्रमुख प्रमुख आवासीय बाजारों में दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के बिक्री प्रमुख श्रीधर श्रीनिवासन ने कहा, '' खासकर बजट व मध्यम आय वर्ग में सामर्थ्य के दबाव ने खरीदारों की धारणा को थोड़ा सतर्क कर दिया है।'' श्रीनिवासन ने कहा कि हालांकि अंतर्निहित मांग बरकरार है। प्रॉपटाइगर आरईए इंडिया का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डॉट कॉम का स्वामित्व है।

अमेरिका में यूरोपीय वस्तुओं पर 30 प्रतिशत शुल्क से व्यापारिक संबंध बिगड़ने का खतरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को यूरोपीय संघ (ईयू) पर 30 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। इस कदम का अटलांटिक के दोनों ओर की कंपनियों और उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा। इन शुल्क के कारण अमेरिका में फ्रांसीसी पनीर और इतालवी चमड़े के सामान से लेकर जर्मन इलेक्ट्रॉनिक्स और स्पेनिश दवाइयों तक, सब कुछ महंगा हो सकता है। अप्रैल में, ट्रंप ने यूरोपीय संघ के उत्पादों पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था, जो उन देशों पर लक्षित शुल्क की एक शृंखला का हिस्सा था जिनके साथ अमेरिका का व्यापार असंतुलन है। बाद में, जब बातचीत उनकी अपेक्षा के अनुरूप तेज़ी से आगे नहीं बढ़ी, तो उन्होंने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की धमकी दी। इसी सप्ताह यूरोपीय संघ के कार्यकारी आयोग ने कहा कि उसके नेता अभी भी ट्रंप प्रशासन के साथ समझौता करने की उम्मीद कर रहे हैं। कार्यकारी आयोग यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के व्यापार संबंधी मुद्दों को देखता है। यूरोपीय संघ ने कहा कि वह बीफ और वाहन कलपुर्जों से लेकर बीयर और बोइंग विमानों तक, सैकड़ों अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाकर जवाबी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार के बारे में जानने योग्य बातें यहां दी गई हैंरू अमेरिका–यूरोपीय संघ के बीच व्यापार बहुत बड़ा है। यूरोपीय आयोग अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार को 'दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण वाणिज्यिक संबंध' बताता है। यूरोपीय संघ की सांख्यिकी एजेंसी यूरोस्टेट के अनुसार, वस्तुओं और सेवाओं में यूरोपीय संघ–अमेरिका व्यापार का मूल्य 2024 में 1.7 लाख करोड़ यूरो (दो लाख करोड़ डॉलर) या औसतन 4.6 अरब यूरो प्रतिदिन होगा। यूरोप को अमेरिका का सबसे बड़ा निर्यात कच्चा तेल है, उसके बाद फार्मास्यूटिकल्स, विमान, वाहन और चिकित्सा एवं नैदानिक उपकरण हैं। यूरोप से अमेरिका को सबसे ज़्यादा निर्यात दवाइयां, कार, विमान, रसायन, चिकित्सा उपकरण, और शराब व स्पिरिट्स हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में शुभमन गिल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, इस मामले में द्रविड़–कोहली को पीछे छोड़ा

लंदन। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह इंग्लैंड में एक ही सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने राहुल द्रविड़ और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य दिया है। फिलहाल भारत की दूसरी पारी जारी है।

शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में क्रमशरू 16 और छह रन बनाए। इसी के साथ उनके एक सीरीज में 607 रन हो गए। इस मैच से पहले गिल ने चार पारियों में 585 रन बना लिए थे। अब वह इंग्लैंड में एक ही सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया। पूर्व भारतीय कप्तान ने 2002 में छह पारियों में 602 रन बनाए थे। वहीं, कोहली ने 10 पारियों में 593 रन बनाए थे। अब गिल ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

एजबेस्टन टेस्ट में गिल ने तोड़ा 54 साल पुराना रिकॉर्ड

गिल इस सीरीज में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने दूसरी पारी में भी अपना दम दिखाया है। एजबेस्ट टेस्ट की दोनों पारियों में गिल ने धमाल मचाया। पहली पारी में उन्होंने दोहरा शतक लगाया और दूसरी पारी में एक और शतक पूरा किया। इस कारनामे के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह सुनील गावस्कर के बाद भारत के दूसरे और ओवरऑल नौवें बल्लेबाज हैं जिन्होंने टेस्ट एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाने के बाद शतक लगाया है। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1971 में पहली पारी में शतक लगाया था, जबकि दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाने में सफल रहे थे।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम झकझोरा, कंगारुओं ने दूसरी पारी में 99 रन पर गंवाए छह विकेट

किंग्सटन। कैमरन ग्रीन की नाबाद पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को वेस्टइंडीज की आक्रामक तेज गेंदबाजी के सामने 99 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद कुल 181 रन की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ग्रीन 42 रन बनाकर खेल रहे थे। उनके साथ दूसरे छोर पर कप्तान पैट कमिंस पांच रन बनाकर खेल रहे हैं। रविवार को तीनों सत्र में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों के 15 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने इस दिन रात्रि टेस्ट मैच में इससे पहले वेस्टइंडीज को पहली पारी में 143 रन पर आउट करके अपनी टीम को 82 रन की बढ़त दिला दी थी।

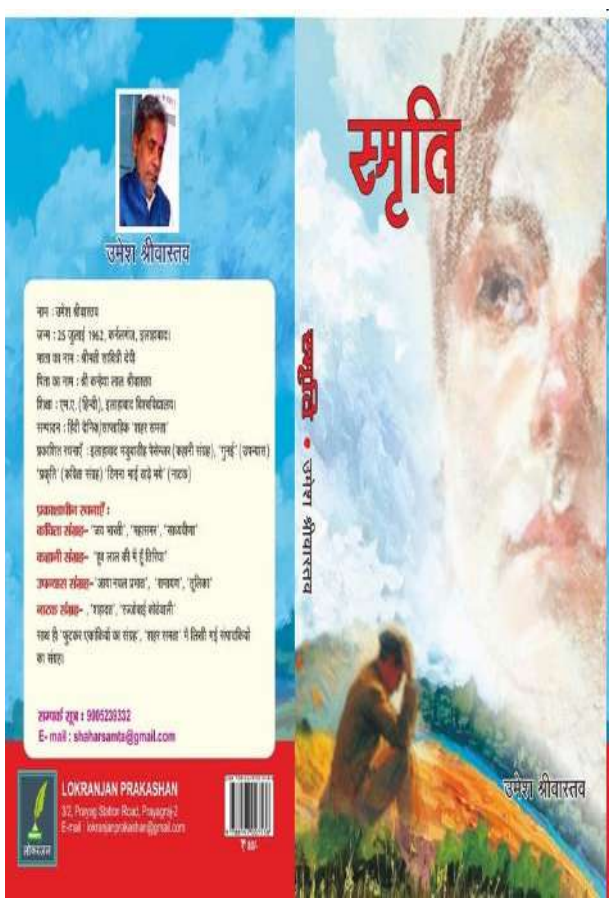

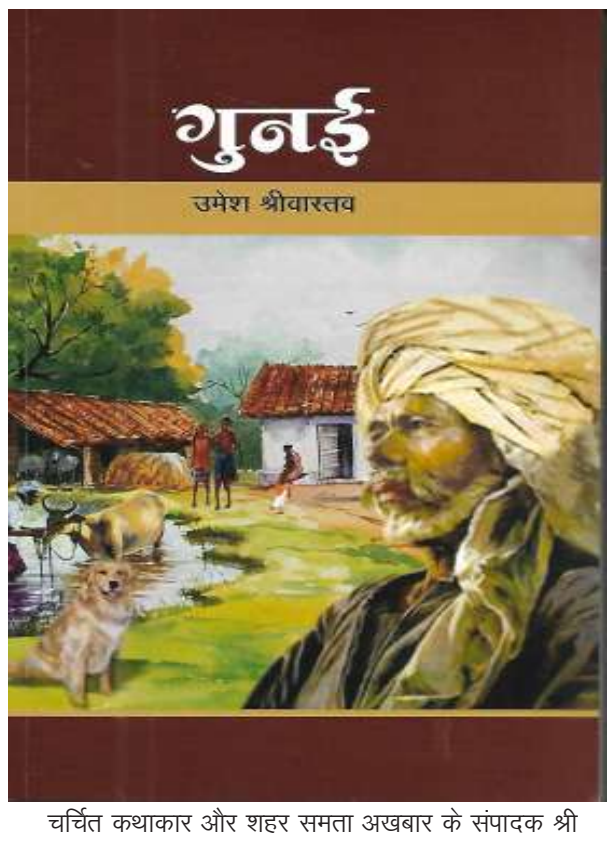

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

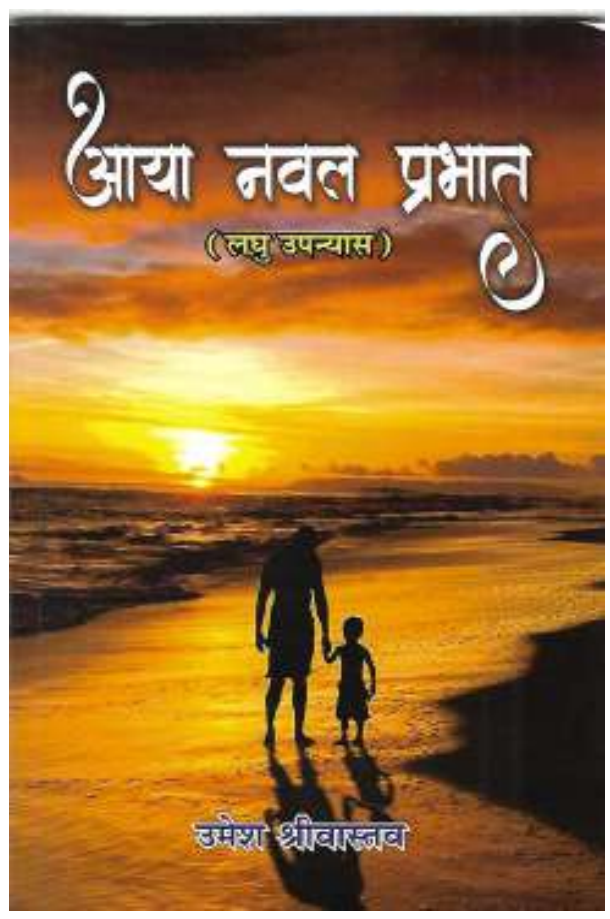

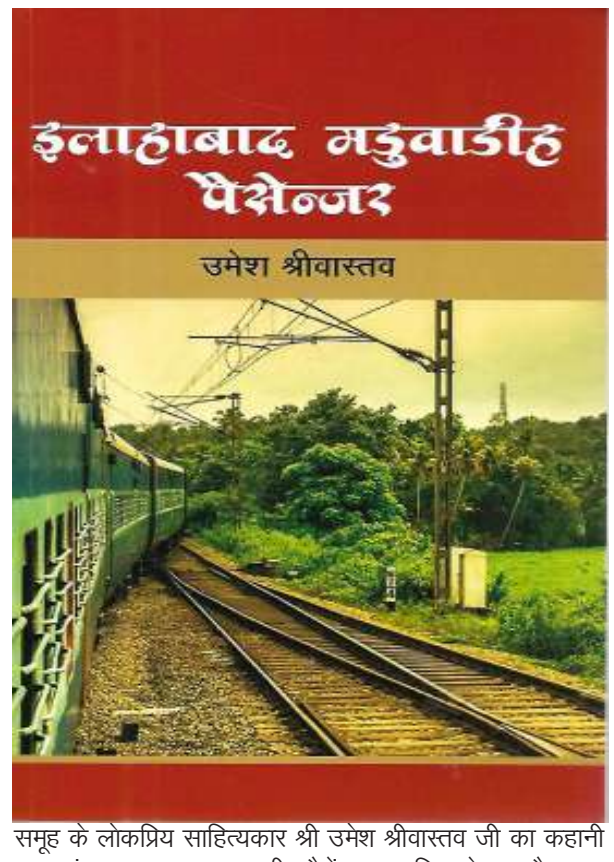

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

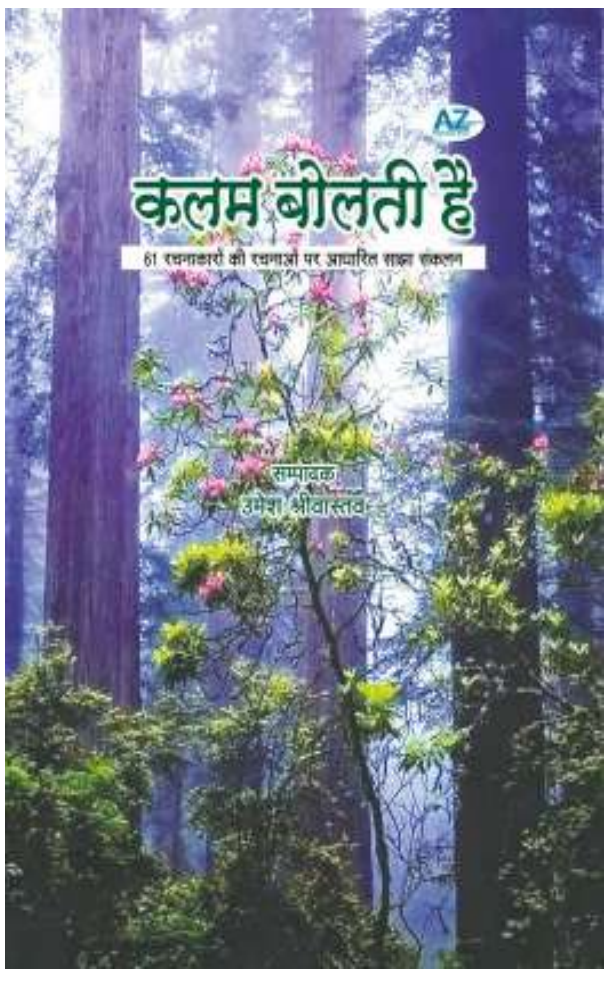

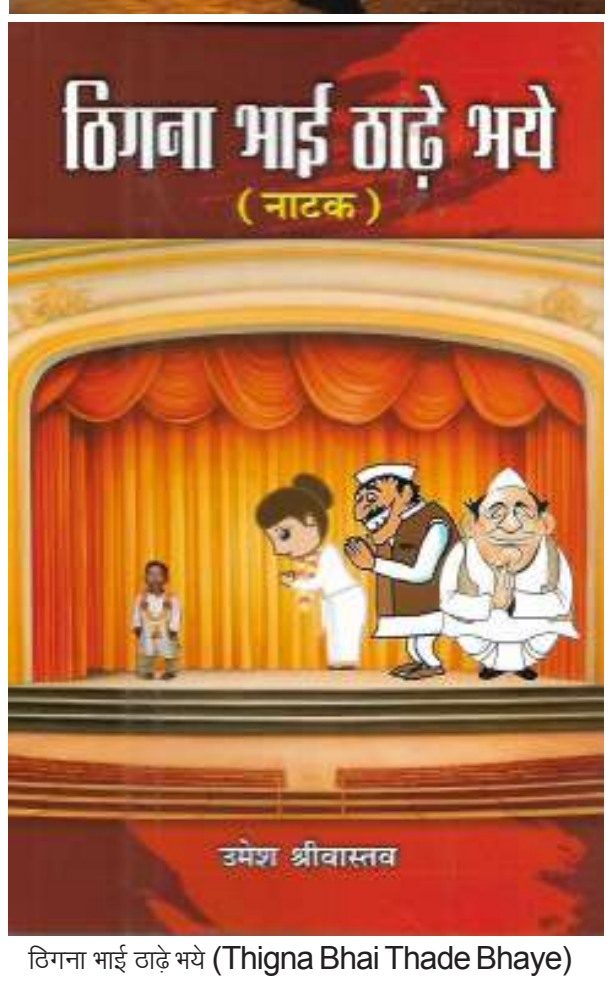

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

लंदन के साउथेंड हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के तुरंत बाद एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ

लंदन के साउथेंड हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही एक विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद हवाई अड्डे को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना फिलहाल जारी नहीं की गई है। नीदरलैंड की 'ज्यूश एविएशन' कंपनी द्वारा संचालित यह विमान रविवार को पहले एथेंस (यूनान) से पुला (क्रोएशिया) गया, फिर वहां से साउथेंड (ब्रिटेन) के लिए रवाना हुआ। यह विमान रविवार शाम को नीदरलैंड के लेलिस्टाड लौटने वाला था। 'ज्यूश एविएशन' ने पुष्टि की कि उसका 'एसयूजेएड1' विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है और कहा कि कंपनी जांच में सहयोग कर रही है। कंपनी के बयान में कहा, ''हम हादसे से प्रभावित सभी लोगों प्रति संवदेनाएं व्यक्त करते हैं।'' एसेक्स पुलिस ने कहा कि उन्हें हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के संबंध में शाम करीब चार बजे सूचना मिली। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान 'बीचक्राफ्ट बी200 सुपर किंग' था जो मरीजों को ले जाने के लिए चिकित्सा प्रणालियों से लैस था। यह 12 मीटर (39 फुट) लंबा एक छोटा विमान था। आपातकालीन सेवाएं और विमान दुर्घटना जांचकर्ता मौके पर हैं और अगली सूचना तक हवाई अड्डे से सभी उड़ानों का परिचालन रद्द कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में दुर्घटनास्थल के पास आग और काले धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है।

यूक्रेन को हथियार बेचने की योजना के बीच नाटो महासचिव से मिलेंगे ट्रंप

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) महासचिव मार्क रूट इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका नाटो सहयोगियों को हथियार बेचेगा, जिन्हें वे आगे यूक्रेन को दे सकेंगे। रूट सोमवार और मंगलवार को वाशिंगटन में रहेंगे तथा ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ–साथ सांसदों से भी बातचीत करने की योजना बना रहे हैं। रविवार रात वाशिंगटन पहुंचने पर ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''मैं महासचिव (नाटो) से मुलाकात करूंगा जो कि कल पहुंच रहे हैं। हम उन्हें कई अत्याधुनिक हथियार भेजेंगे और वे हमें उनके लिए पूरा भुगतान करेंगे।'' डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख सहयोगी साउथ कैरोलाइना से रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने रविवार को कहा कि यह संघर्ष (रूस और यूक्रेन) अब एक निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि ट्रंप यूक्रेन की मदद करने में रूचि दिखा रहे हैं।

अमेरिका–दक्षिण कोरिया–जापान के सैन्य अभ्यास पर उत्तर कोरिया का कड़ा रुख, तीनों देशों को दी चेतावनी

उत्तर कोरिया ने रविवार को अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान को कड़ी चेतावनी दी है। उसने कहा है कि अगर उसके खिलाफ कोई भी सुरक्षा खतरा पैदा होता है, तो वह सैन्य कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह चेतावनी इन तीनों देशों द्वारा हाल ही में एक अमेरिकी रणनीतिक बमवर्षक के साथ किए गए संयुक्त हवाई अभ्यास के बाद आई है।

गलवान के बाद ऐसे हुई मुलाकात, जयशंकर ने पहले मिलाया हाथ और फिर...

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के महासचिव नूरलान येरमेकबायेव से मुलाकात की, जहाँ उन्होंने संगठन की भूमिका, महत्व और इसके कामकाज को आधुनिक बनाने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। जयशंकर सिंगापुर की अपनी यात्रा के बाद चीन पहुँचे, जो पाँच वर्षों में उनकी पहली बीजिंग यात्रा है। इस यात्रा के दौरान, उनका तियानजिन में एससीओ विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की बैठक में भाग लेने और कई द्विपक्षीय बैठकें करने का कार्यक्रम है। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज बीजिंग में एससीओ महासचिव नूरलान येरमेकबायेव से मिलकर खुशी हुई। एससीओ के योगदान और महत्व के साथ–साथ इसके कामकाज को आधुनिक बनाने के प्रयासों पर चर्चा हुई।

तियानजिन में आगामी एससीओ शिखर सम्मेलन

एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक इस वर्ष के अंत में तियानजिन में होने वाली है। भारत 2023 में एससीओ की अध्यक्षता करेगा, जबकि पाकिस्तान 2024 में नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक स्थायी अंतर–सरकारी निकाय है जिसमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं।

एससीओ बैठकों में आतंकवाद पर भारत का रुख

जयशंकर की यह यात्रा जून में एससीओ बैठकों के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की चीन यात्रा के बाद हो रही है। एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान, भारत ने संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया क्योंकि उसमें पहलगाम आतंकवादी हमले का कोई उल्लेख नहीं था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की वकालत की थी, लेकिन एक सदस्य, कथित तौर पर पाकिस्तान, ने इसे शामिल करने का विरोध किया। इससे पहले, विदेश मंत्री ने चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक भी की। जयशंकर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत और चीन के बीच संबंधों के निरंतर सामान्यीकरण से ष्पारस्परिक रूप से लाभकारीष परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। उन्होंने दो घनी आबादी वाले पड़ोसियों और प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के बीच, विशेष रूप से बेहद जटिल अंतर्राष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, खुले संवाद और विचारों के स्पष्ट आदान–प्रदान के महत्वपूर्ण महत्व पर ज़ोर दिया।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पर बड़ी कार्रवाई, WHO ने छुट्टी पर भेजा

बांग्लादेश में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहीं पूर्व पीएम शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बड़ी कार्रवाई है। डब्ल्यूएचओ ने साइमा वाजेद को छुट्टी पर भेज दिया है। साइमा डब्ल्यूएचओ में दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक एसईएआरओ साइमा वाजेद फिलहाल छुट्टी पर हैं। इस अवधि के दौरान डॉ. कैथरीना बोहेम प्रभारी अधिकारी के रूप में काम करेंगी। डब्ल्यूएचओ ने साइमा वाजेद को छुट्टी पर भेजने कारण स्पष्ट नहीं किया। संगठन ने बस इतना कहा कि इस समय हमारे पास इस पर और कोई टिप्पणी नहीं है। डॉ. कैथरीना बोहेम के 15 जुलाई को नई दिल्ली स्थित डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ कार्यालय पहुंचने की उम्मीद है। डब्ल्यूएचओ की कार्रवाई के बाद बांग्लादेश के अंतरिम सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि हम धोखाधड़ी, जालसाजी और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों की चल रही जांच के बीच साइमा वाजेद को अनिश्चितकालीन छुट्टी पर भेजने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के कथित फैसले का स्वागत करते हैं। हम इसे जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि एक स्थायी समाधान आवश्यक है, जो वाजेद को उनके पद से हटा दे। सभी संबंधित विशेषाधिकारों को रद्द कर दे और इस प्रतिष्ठित भूमिका की अखंडता तथा समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र प्रणाली की विश्वसनीयता को बहाल कर दे। बांग्लादेश के लोग और वैश्विक जनता पारदर्शिता, ईमानदारी और न्याय के उदय को देखकर खुश हैं।

साइमा वाजेद पर यह लगे आरोप

भ्रष्टाचार निरोधक आयोग का आरोप है कि साइमा वाजेद पुतुल ने तत्कालीन प्रधानमंत्री और अपनी मां हसीना को प्लॉट पाने और RAJUK के बजाय उनके लिए आवेदन करने के लिए अवैध रूप से प्रभावित किया था। यह नियमों का उल्लंघन था। इसके अलावा चुनाव आयोग ने वाजेद के राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) लॉक कर दिए हैं।

यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में जहाज डूबने के बाद लापता लोगों की तलाश समाप्त

यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में लाल सागर में एक जहाज के डूबने के बाद लापता हुए लोगों की तलाश समाप्त हो गयी है और इस घटना में चार लोगों के मारे जाने की आशंका है तथा 11 अन्य लापता हैं। यह जानकारी निजी सुरक्षा कंपनियों ने सोमवार को दी। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब उपग्रह से ली गई तस्वीरों में उस जगह पर तेल बिखरने के निशान दिखाई दे रहे हैं जहां मालवाहक जहाज 'इटरनिटी सी' डूबा था और एक अन्य तस्वीर में उस जगह पर भी तेल बिखरने के निशान दिखाई दिए हैं, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमले में 'मैजिक सीज' जहाज डूब गया था। दोनों जहाजों पर हूती विद्रोहियों ने एक हफ्ते पहले हमला किया था। यह हमला गाजा पट्टी में इजराइल–हमास युद्ध के दौरान जहाजों को निशाना बनाने के उसके अभियान का हिस्सा था, जिसने लाल सागर में नौवहन को प्रभावित किया है।

पाकिस्तान में एयरलाइन की लापरवाही, कराची की जगह यात्री को भेज दिया जेद्दा; घंटो तक तक हुई पूछताछ

कराची। पाकिस्तान में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जहां एयरलाइन की गलती के चलते एक यात्री कराची के जगह सऊदी अरब के जेद्दा पहुंच गया। यह हैरान करने वाला मामला सात जुलाई को सामने आया और इसमें लापरवाही का आरोप एयर सियाल नामक निजी एयरलाइन पर लगा है। मामला मलिक शाहजैन नाम के एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर से जुड़ा है, जो ऑफिस के काम से लाहौर गए थे और अचानक अपने बीमार बेटे की खबर सुनकर उसी रात कराची लौटने वाले थे। शाहजैन ने पहले से कराची की टिकट बुक कर रखी थी और समय पर एयरपोर्ट भी पहुंच गए थे।

शाहजैन ने एयरलाइन पर लगाया गंभीर आरोप

शाहजैन का आरोप है कि एयर सियाल के स्टाफ ने बिना पूरी जांच किए उन्हें गलत गेट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान में बैठा दिया, जो जेद्दा जा रही थी। उन्होंने कहा कि मैंने बोर्डिंग पास दिखाया,

मुझे लाउंज और फिर फ्लाइट गेट की ओर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि टरमैक पर दो विमान खड़े थे एक कराची जा रहा था और दूसरा जेद्दा। एयरलाइन स्टाफ ने बिना जांच के मुझे जेद्दा वाली फ्लाइट में बैठा दिया। शाहज़ैन ने बताया कि उन्हें तब शक हुआ जब उड़ान के दो घंटे बाद भी विमान ने लैंड नहीं किया। आखिरकार, वह जेद्दा पहुंचे, लेकिन उनका सामान कराची पहुंच चुका था।

जेद्दा एयरपोर्ट पर घंटों पूछताछ

जेद्दा पहुंचने के बाद शाहजैन से वहां के इमिग्रेशन अधिकारियों ने घंटों पूछताछ की। बाद में अधिकारियों ने समझा कि गलती उनकी नहीं थी और एयरलाइन को उन्हें अगली फ्लाइट से वापस भेजने का निर्देश दिया। हालांकि मुश्किल यहीं खत्म नहीं हुई। एयर सियाल ने उन्हें सीधे कराची भेजने के बजाय वापस लाहौर भेज दिया और कहा कि कराची तक की टिकट उन्हें खुद लेनी होगी। शाहजैन ने बताया कि मुझे अपने बीमार बेटे के पास लौटना था, लेकिन मुझे 15 घंटे की थकान और पूछताछ का सामना करना पड़ा।

अब तक ना माफी मिली ना सफाई– शाहजैन

शाहजैन का कहना है कि एयरलाइन स्टाफ ने मौके पर अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन अब तक न तो कोई आधिकारिक माफी मिली है और न ही कोई लिखित स्पष्टीकरण। वहीं इस मामले पर नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएस) के एक अधिकारी ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि गलती से गलत फ्लाइट में चढ़ने की घटनाएं हो जाती हैं, लेकिन किसी घरेलू यात्री का अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में पहुंच जाना पहली बार हुआ है।

सीरिया में एक छोटे से टकराव ने ली 30 की जान

दमिश्क। सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक की मिलिशिया और सुन्नी बेदुइन कबीलों के बीच हुई हिंसक झड़पों ने एक बार फिर देश में अस्थिरता को उजागर कर दिया है। इन झड़पों में अब तक 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 100 लोग घायल हुए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।